शनिवार 20 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष - 5

डाक संस्करण
रविवार 21 जून 2026
Email- dainiklokmaya@gmail.com
RNI No.-CHHHIN/2010/35328
डाक पंजीयन-छग/रायपुर संभाग/17/2026-2028

दैनिक अखबार संपूर्ण छत्तीसगढ़ के समाचार

लोकमाया

रायपुर, वर्ष-17, अंक - 158 | रायपुर, भोपाल और दिल्ली से प्रकाशित | E paper-lokmaya.news | पृष्ठ- 12 | मूल्य- ₹ 2

जुलाई में साय सरकार का 'चिंतन शिविर 3.0' सुशासन और प्रशासनिक सुधारों पर होगा मंथन

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार शासन और प्रशासन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा जनोन्मुख बनाने के उद्देश्य से जुलाई माह में 'चिंतन शिविर 3.0' आयोजित करने जा रही है।
दो दिवसीय यह शिविर नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य भाग लेंगे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार इस आयोजन को प्रशासनिक क्षमता संवर्धन और सुशासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देख रही है। शिविर के दौरान मंत्रियों को प्रशासनिक प्रबंधन, नीति निर्माण, नेतृत्व विकास, तकनीकी नवाचार तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन विशेषज्ञ, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विषय विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों के माध्यम से बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा तकनीक आधारित बनाने के उपायों पर मार्गदर्शन देंगे।

शिविर में योजनाओं की प्रभावी निगरानी, परिणाम आधारित कार्य संस्कृति के विकास, त्वरित निर्णय प्रक्रिया को बढ़ावा देने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसे विषयों पर विशेष रूप से चर्चा किए जाने की संभावना है। इसके साथ ही राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श भी किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि पूर्व में आयोजित दो चिंतन शिविरों से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार के आयोजन को अधिक व्यावहारिक, परिणामोन्मुख और जनहित केंद्रित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि साय सरकार का पहला चिंतन शिविर 31 मई और एक जून 2024 को आईआईएम नवा रायपुर में आयोजित किया गया था, जिसमें 'विकसित छत्तीसगढ़-2047' के विजन, सुशासन, नीति निर्माण तथा प्रशासनिक दक्षता जैसे विषयों पर मंथन हुआ था।

इस दौरान नीति आयोग से जुड़े विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्रिपरिषद को संबोधित किया था। इसके बाद आठ और नौ जून 2025 को आयोजित 'चिंतन शिविर 2.0' में सरकार के डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की समीक्षा, विभागीय समन्वय, नवाचार, वित्तीय प्रबंधन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र सहित विकसित छत्तीसगढ़ के रोडमैप पर चर्चा हुई थी। शिविर में मंत्रियों ने विभागवार प्रस्तुतियां भी दी थीं। अब राज्य सरकार तीसरे चिंतन शिविर की तैयारियों में जुट गई है, जहां प्रशासनिक दक्षता और सुशासन को नई दिशा देने पर विशेष फोकस रहने की संभावना है।

लोहरदगा में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक की चपेट में आने से तीन सगे भाई-बहनों की मौत

लोकमाया न्यूज।

लोहरदगा। झारखंड के लोहरदगा जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन सगे भाई-बहनों की मौत हो गई।

मिशन चौक के पास तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार दो बहनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल भाई ने इलाज के लिए रिम्स ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि शहरी क्षेत्र के बरवाटोली निवासी मुकेश साहू के पड़ोस में शादी समारोह आयोजित था। समारोह शहर के कृषि बाजार स्थित एक धर्मशाला में चल रहा था। उसमें शामिल होने के लिए मुकेश साहू के बेटे रोहित साहू, विवाहित बेटी सपना कुमारी और सृष्टि कुमारी एक ही स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे।

इसी दौरान मिशन चौक के पास गुमला से लोहरदगा की ओर आ रहे सामान लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद स्कूटी और उस पर सवार तीनों लोगों को काफी दूर तक घसीटता चला गया। हादसे में 24 वर्षीय सपना कुमारी और 14 वर्षीय सृष्टि कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सपना और सृष्टि को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि सपना कुमारी गर्भवती थी।

वहीं 28 वर्षीय रोहित साहू गंभीर रूप से घायल हो गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

मृतक रोहित के पिता मुकेश साहू मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि रोहित एक निजी प्रतिष्ठान में कार्यरत था। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से घर में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इधर, सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर ने बताया कि सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। वहीं आज शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया।

कांग्रेस के प्रशिक्षण पर अरुण साव ने कहा -कांग्रेस में खत्म नहीं होगी कलह

दीपक बैज बोले -बैठक में निशाने पर थे डिप्टी सीएम, बताएं इस्तीफा मांगा गया था या नहीं

लोकमाया न्यूज ।

रायपुर। आज से कांग्रेस का दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया है। इस प्रशिक्षण को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस नेता आपस में लड़ रहे हैं। प्रशिक्षण से कांग्रेस को कोई लाभ नहीं होगा। कांग्रेस में कलह खत्म नहीं होगी। वहीं इस बयान पर PCC चीफ दीपक बैज ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, अरुण साव एक घंटे हमारा प्रशिक्षण अटेंड कर ले, भाजपा छोड़कर वो कांग्रेस में आ जाएंगे। ऐसा होता है कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर। वैसे भी सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार उनके विभाग में ही हो रहा। सीएम हाउस की आपात बैठक में सबसे ज्यादा निशाने पर वही थे। साव बताएं उनसे इस्तीफा मांगा गया था या नहीं। भाजपा का आरोप है कि जिलाध्यक्षों से सहयोग राशि मांगकर प्रशिक्षण दिया जा रहा।

योग के महत्व को प्रदेशभर में पहुंचाएंगे : अरुण साव

प्रदेशभर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कल होगा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने योग दिवस कार्यक्रम पर कहा, विश्व योग दिवस का आयोजन कल प्रदेशभर में हो रहा है। 180 से अधिक देश कल योग दिवस मनाएंगे। शाम 7 बजे से 7.45 तक सामूहिक रूप से योग किया जाएगा। कार्यक्रमों में सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक शामिल होंगे।

मानसिक संतुलन खो चुके हैं पुरंदर मिश्रा : बैज

भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने राहुल गांधी को जोकर बताया है। इस बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा, पुरंदर मिश्रा मानसिक संतुलन खो चुके हैं। बीजेपी को उनका मानसिक इलाज करना चाहिए। बीजेपी इलाज नहीं कर पाए तो हमें बता दें। कांग्रेस पुरंदर मिश्रा का इलाज कराने झारखंड भेज देगी। वे पढ़े लिखे समझदार वकील हैं, बयान देने से पहले भाषा की मर्यादा जांच कर लिया करें।

लोक प्रशासन और डिजिटल शासन में सहयोग को मजबूत बनायेंगे भारत और दक्षिण कोरिया

नयी दिल्ली। भारत और दक्षिण कोरिया ने लोक प्रशासन और डिजिटल शासन में सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। दोनों देश लोक प्रशासन और सरकारी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन को भी जल्द ही अंतिम रूप देंगे। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मामलों के राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह और भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए दक्षिण कोरिया के गृह एवं सुरक्षा मंत्री युन होजुंग ने शनिवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस, लोक प्रशासन, क्षमता निर्माण और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की गयी। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच करीब एक घंटे से अधिक समय तक हुई वार्ता में डॉ. सिंह ने कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और कोरिया के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों, नवाचार और सुशासन पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी है। डॉ. सिंह ने भारत में डिजिटल शासन, सार्वजनिक सेवा वितरण और शिकायत निवारण तंत्र में भारत द्वारा की गयी महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और कोरिया दोनों ही जीवंत लोकतंत्र हैं जो अपने साझा मूल्यों, विरासत और कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्ध है।

सूरजपुर में सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत, आक्रोशित लोगों ने वाहन फूंका

लोकमाया न्यूज।

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में देर रात सड़क पर खड़े ट्रक से बाइक की टक्कर होने से तीन युवकों की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने ट्रक में आग लगा दी। पुलिस से शनिवार सुबह मिली जानकारी के अनुसार, हादसा प्रतापपुर थाना क्षेत्र में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक ट्रक चालक ने पहले एक कार को टक्कर मारी थी। इसके बाद वह ट्रक को सड़क पर खड़ा छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सड़क पर खड़े ट्रक से जा भिड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही शिवपुर क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे से नाराज लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ट्रक में आग लगा दी, जिससे वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ईरान के साथ वार्ता के लिए स्विट्ज़रलैंड रवाना हुए

एजेंसी ।

वाशिंगटन। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड रवाना हो गये हैं। ऐसी उम्मीद जतायी जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच इस वार्ता का पहला दौर वहीं आयोजित होगा। समाचार वेबसाइट एक्योस ने एक अज्ञात अमेरिकी अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर पहले से ही स्विट्जरलैंड में मौजूद हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी यह साफ नहीं है कि बातचीत के लिए कोई नया समय तय किया गया है या नहीं। बातचीत शुक्रवार को शुरू होने वाली थी लेकिन लेबनान में इजरायल और लेबनान के शिया संगठन हिज़्बुल्लाह के बीच लड़ाई के कारण इसे टाल दिया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करने वाले थे लेकिन उन्होंने गुरुवार को अपनी यात्रा टाल दी, और यह साफ नहीं है कि वह इस सप्ताह के अंत तक वहां जाएंगे या नहीं। गौरतलब है कि 14 जून को ईरान और अमेरिका ने पुष्टि की थी कि एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर काम पूरा हो गया है। दोनों देशों ने 18 जून की रात को उस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 28 फरवरी को शुरू हुए सैन्य संघर्ष को समाप्त करने का प्रावधान है। इस समझौते के साथ दोनों पक्षों के बीच कई महीनों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

राधाकृष्णन, मोदी और राजनाथ सहित विभिन्न नेताओं ने दी राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन की बधाई

एजेंसी।

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित विभिन्न नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है और उनके लंबे, स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की है।

राधाकृष्णन ने शनिवार को मुर्मु को जन्मदिन की बधाई देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। राष्ट्रपति मुर्मु जी ने हमेशा वंचित वर्गों के हितों की वकालत की है और खुद को राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया है। समावेशी विकास और सामाजिक कल्याण के प्रति उनकी अद्भुत प्रतिबद्धता देश भर के लोगों को प्रेरित करती रहती है। उन्होंने कहा, सादगी, विनम्रता और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण से भरा उनका जीवन और सार्वजनिक सफर देश भर के अनगिनत लोगों को प्रेरित करता है। मैं उनके लंबे, स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना करता हूँ, ताकि वे राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देती रहें।

वहीं, पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। साहस, सादगी, विनम्रता और जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण से भरी उनकी जीवन-यात्रा देश भर के लोगों को प्रेरित करती रही है। उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने देश की बेहतरीन सेवा की है और वह विशेष रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाले लोगों के कल्याण के प्रति समर्पित रही हैं। भारत के विकास के प्रति उनका अटूट समर्पण बहुत प्रेरणादायक है। ईश्वर उन्हें देश की सेवा में लंबा और स्वस्थ जीवन प्रदान करे। मैं आज ओडिशा में होने वाले कार्यक्रम में उनसे मिलने के लिए उत्सुक हूँ। सिंह ने मुर्मु को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने अपना जीवन समाज की सेवा और लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित किया है। समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और नागरिकों के कल्याण के प्रति अपनी समझदारी और प्रतिबद्धता के ज़रिए वह जन-सेवा की सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व करती हैं।

नीट परीक्षा के नाम पर बच्चों के भविष्य से खेला जा रहा है जुआ : राहुल गांधी

लोकमाया न्यूज ।

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को पूरी तरह अक्षम बताते हुए कहा है कि वह परीक्षा के नाम पर बच्चों और अभिभावकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है और छात्रों के भविष्य के साथ जुआ खेल रहा है।

गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक छात्र का उदाहरण देते हुए कहा कि नागपुर का यह छात्र एक महीने से नीट पुनर्परीक्षा की तैयारी कर रहा था लेकिन परीक्षा से एक दिन पहले प्रवेश पत्र डाउनलोड करने पर पता चला कि उसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी आवंटित हुआ है।

छात्र के पास न पासपोर्ट था, न विदेश जाने के लिए आर्थिक साधन और न ही पर्याप्त समय बचा था जिसके कारण वह पूरी रात तनाव में रहा और परीक्षा देने से ही मना करने लगा। उन्होंने कहा, क्या इस तनाव की कल्पना भी की जा सकती है। कल किसी भी छात्र को केंद्र तक नहीं पहुंच पाने की शिकायत नहीं होनी चाहिए। एनटीए वास्तव में देश के बच्चों और उनके माता-पिता का सिर्फ धैर्य की परीक्षा ले रही है।

राहुल गांधी के दौरे से छत्तीसगढ़ में भाजपा-कांग्रेस नेताओं में जुबानी जंग

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 21 जून को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे से पहले राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गयी है। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए गांधी के रायपुर आगमन को लेकर भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच जुबानी जंग देखने को मिली है। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने शनिवार को गांधी के आगामी दौरे पर कहा, दिल्ली से जोकर आ रहा है। दस दिनों तक छत्तीसगढ़ में सर्कस चलेगा। उन्होंने कहा, राम को काल्पनिक मानने वाले गांधी राम के मामा गांव आ रहे हैं, उनका स्वागत है। कांग्रेस में वैसे भी लेन-देन का चलन है, पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त रही है।

दुनिया में युद्ध नहीं, योग ही समाधान है

युद्ध नहीं, योग ही समाधान है, ट्रम्प आदि नेताओं को योग की जरूरत: रामदेव

लोकमाया न्यूज ।

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) योग गुरु बाबा रामदेव ने भारत की प्राचीन योग, ध्यान और प्राणायाम की पद्धति को धर्म और पंथ की सीमाओं से ऊपर बताते हुए शनिवार को यहां कहा कि आज के वैश्विक भू-राजनीतिक संकट में मुख्य-पात्र की भूमिका में चर्चित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आदि नेताओं को योग साधना करने की जरूरत है।

दशकों से योग को लोगों के दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने के अभियान में जुड़े योग गुरु ने विश्व में जगह -जगह चल रहे युद्धों की ओर संकेत करते हुए कहा, दुनिया में युद्ध नहीं, योग ही समाधान है। उन्होंने कहा, ट्रम्प , यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के वर्तमान सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इन सभी को योग की जरूरत है। बाबा रामदेव 12वें विश्व योग दिवस की पूर्व संध्या पर विजयवाडा शहर के बाहरी इलाके में मंथन सत्यनारायण राजू आश्रम में प्रात: एक योग शिविर को संबोधित कर रहे थे। बाबा रामदेव रविवार को आंध्र प्रदेश में योग दिवस पर यहां आयोजित किये जा रहे मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ भाग लेंगे। मनुष्य की दीर्घायु का स्रोत माने जाने वाले योग पर आज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी रामदेव ने कहा कि दुनिया योग को अपना ले तो समस्या ही न रहे। उन्होंने कहा, योग, जाति पंथ से ऊपर है । यह मानव स्वास्थ्य का विषय है। अनुशासित जीवन ही योग है। विश्व को योगमय बनाने, योगधर्म को युगधर्म बनाने का प्रयास हो। योग की आदत लग जाएगी तो सभी बुरी आदतें और वृत्तियां अपने आप छूट जएंगी। बाबा रामदेव के नाम से चर्चित योग गुरु ने कहा कि मीडिया को भी योग को प्रोत्साहित करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। मीडिया के हर मंच पर योग का जलवा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के लोग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत होंगे तो देश पुन: अपना गौरव प्राप्त करेगा। योग गुरु ने कहा कि वैचारिक गुलामी ने भारत को कमजोर किया है और कभी विश्व अर्थव्यवस्था में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले भारत का हिस्सा तीन प्रतिशत रह गया है। शिक्षा, चिकित्सा और शासन , हर क्षेत्र में वैचारिक गुलामी को समाप्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने योगदिवस को संस्कृति और आध्यत्मिक पर्व बताते हुए कहा कि हमें इसके अनुसार चलना है। उन्होंने योगदिवस का विरोध करने वालों को प्रकृति और सनातन संस्कृति का विरोधी बताया और कहा कि वास्तव में ऐसी ताकतें भारत विरोधी हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। यह तिथि उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और मनुष्य को दीर्घायु बनाने में योग के योगदान के अनुरूप है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में दो धमाकों से दहला इलाका, सात लोगों की मौत

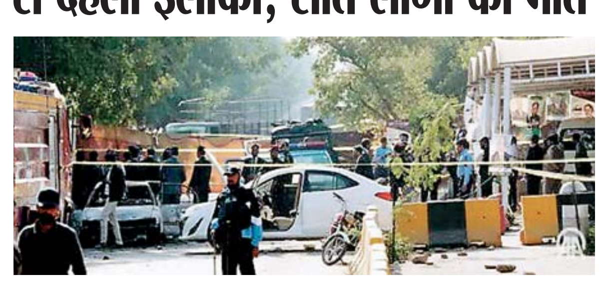

एजेंसी।

कराची। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो विस्फोटों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में यह धमाका हुआ, जिसकी सीमा अफगानिस्तान के पास अशांत उत्तरी वजीरिस्तान आदिवासी क्षेत्र से लगती है। जिला पुलिस प्रमुख यासिर अफरीदी ने पत्रकारों को बताया कि विस्फोटक सड़क किनारे लगाये गये थे। पहले विस्फोट की चपेट में एक यात्री वैन आ गयी, जिससे पांच लोगों की मौत हो गयी और तीन अन्य घायल हो गये।

दूसरा विस्फोट तब हुआ, जब स्थानीय लोग शवों और घायलों को एम्बुलेंस से ले जा रहे थे। दूसरे विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने एमवाय अस्पताल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

भोपाल(लोकमाया)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुक्रवार को एमवाय अस्पताल इंदौर के नए इमारत के निर्माण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान विधायक श्री गोलू शुक्ला,एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डॉ.घनघोरिया से एमवाय के प्रोजेक्ट ले-आउट निर्माण की कार्ययोजना के प्रगति के बारे में चर्चा कर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। श्री शुक्ल ने निरीक्षण के दौरान कंपनियों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और तय समय-सीमा के भीतर प्रोजेक्ट को गति दी जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को जल्द से जल्द इस नए चिकित्सा संस्थान का लाभ मिल सके।

सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला : नागर

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आज सामाजिक समरसता के साथ विकसित भारत@2047 के संकल्प विषय पर समरसता विमर्श का आयोजन आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, शाहपुरा, भोपाल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, अखिल भारतीय संयोजक, सामाजिक समरसता गतिविधि श्याम प्रसाद, कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ एवं प्राध्यापक एवं ख्यातिलब्ध समरसता विचारक डॉ. रमेश पांडव के सानिध्य में हुआ। परिषद के पूर्व महानिदेशक बी.आर. नायडू एवं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविदयालय के कुलगुरू आलोक चौबे ने वीडियो के माध्यम से अपना उदबोधन दिया। अपने उद्बोधन में नागर ने कहा कि सामाजिक समरसता विकसित भारत की आधारशिला है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्यों एवं संविधान जागरुकता से जुड़े अनेक कार्यक्रम प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है और हम सभी एक ही भारत माता की संतान है। राम केवट मिलन, शबरी और भगवान राम का प्रसंग जैसे उदाहरण हमारी संस्कृति में समरसता के प्रेरक सूत्र है। अखिल भारतीय सामाजिक समरसता प्रमुख श्याम प्रसाद ने कहा कि समाज और गांव के विकास के लिए आपसी भाईचारा, सहयोग एवं सहभागिता आवश्यक है। जब समाज के सभी वर्ग मिलकर कार्य करते हैं. तभी वास्तविक विकास संभव होता है। डॉ. रमेश पांडव ने कहा कि समरसता का विचार भले ही महाराष्ट्र में प्रखरता से प्रारंभ हुआ हो, लेकिन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रयासों से मध्यप्रदेश समरसता के अभ्युदय की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित होगा। परिषद द्वारा ग्रामोदय विश्वविदयालय के सहयोग से समरसता के विचार को अकादमिक रूप प्रदान किया गया है। जल्द ही इसका प्रभाव धरातल पर भी दिखाई देगा। डॉ. लाड़ ने कहा कि परिषद स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं स्वावलंबन के मूलमंत्र के साथ नवाचारों की प्रोत्साहक रही है। आज का समरसता विमर्श परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के बीएसडब्ल्यू तथा एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के समीक्षा के लिये आयोजित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर

भाजपा किसान मोर्चा ने ली प्रदेशव्यापी प्राकृतिक खेती कार्यशाला

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 62 जिलों में हजारों किसानों ने लिया भाग

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार तथा भाजपा किसान मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा के नेतृत्व में प्रदेशभर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इन कार्यशालाओं में किसानों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला।

प्रदेश के सभी 62 जिलों में दो-दो स्थानों पर आयोजित कार्यशालाओं में हजारों किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों से अवगत कराना तथा उन्हें कम लागत और अधिक लाभ वाली कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने बताया कि कार्यशालाओं में कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों एवं प्राकृतिक खेती में सफलता प्राप्त कर चुके किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने किसानों को जैविक संसाधनों के उपयोग, भूमि की उर्वरता संरक्षण, उत्पादन लागत में कमी तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

प्रदेशभर में आयोजित इन कार्यक्रमों में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, भाजपा जिला अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रमों के दौरान प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का सम्मान भी किया गया। इस अभियान के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा अशोकनगर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल हुए एवं किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल 20 जून को बैतूल में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल होकर किसानों को संबोधित करेंगे। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने संबंधी उपयोगी जानकारी मिली। चावड़ा ने कहा कि किसानों की बड़ी संख्या में सहभागिता यह दर्शाती है कि प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। भाजपा किसान मोर्चा प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो, खेती की लागत कम हो तथा पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिले। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कृषि विशेषज्ञों एवं किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभियान प्रदेश में प्राकृतिक खेती के विस्तार और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

मप्र पुलिस को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सम्मान, पांच लाख से कम पासपोर्ट सत्यापन श्रेणी में प्रथम, रचा कीर्तिमान

विदेश मंत्रालय ने मध्यप्रदेश पुलिस को दिया 'इंस्टीट्यूशनल परफॉर्मेंस अवार्ड'

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। नागरिक सेवाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस के निरंतर प्रयासों को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन के प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश पुलिस को 5 लाख से कम पासपोर्ट आवेदन श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।

विदेश मामलों के माननीय मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा 19 जून 2026 (शुक्रवार) को 'सीबी मुथम्मा हॉल', 'सी' विंग, जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली' में मध्यप्रदेश पुलिस को वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'Institutional Performance ward for State Police' से सम्मानित किया गया।उपरोक्त कार्यकम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व उप पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था तरूण नायक एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा सुरक्षाश्रीमती रश्मि मिश्रा ने किया।

इस उपलब्धि के लिए पुलिस महानिदेशकश्री कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के सभी जिलों, विशेष शाखा, पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी मध्यप्रदेश पुलिस के सामूहिक प्रयासों, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच कुल 3 लाख 35 हजार 647 पासपोर्ट सत्यापनसमयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण तरीके से संपादित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार (Citation) प्रदान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पुलिस ने पिछले वर्ष भी पहली बार यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किया था और अब लगातार दूसरे वर्ष यह उपलब्धि अर्जित कर प्रदेश पुलिस ने अपनी कार्यकुशलता, जवाबदेही और नागरिक सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को पुन: सिद्ध किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों, समयबद्ध सत्यापन प्रक्रिया तथा तकनीक आधारित कार्यप्रणाली का परिणाम है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से छिंदवाड़ा निगम के 93 हितग्राहियों को मिलेगी 93 लाख रुपए की सहायता

छिंदवाड़ा, (हि.स.)। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 के तहत मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा नगर पालिक निगम क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को बड़ी राहत मिली है।

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा बीएलसी (Beneficiary Led Construction) घटक के अंतर्गत स्वीकृत आवास निर्माण परियोजनाओं के लिए 93 हितग्राहियों को 93 लाख रुपये की राशि का आवंटन किया गया है। यह राशि उन हितग्राहियों को प्रदान की जा रही है, जिनके आवास निर्माण का कार्य लिंटल स्तर तक पूरा हो चुका है और जिनकी जियो-टैगिंग प्रक्रिया नियमानुसार पूर्ण कर ली गई है।

भारत सरकार से प्राप्त द्वितीय किश्त की राशि को नगरीय निकायों तक पहुंचाने के लिए SNA-SPARSH व्यवस्था के तहत IFMIS पोर्टल पर व्यय सीमा राशि 5,329 लाख रुपये नगरीय निकायों को आवंटित की गई है। इसी क्रम में छिंदवाड़ा नगर निगम को भी निर्धारित राशि के उपयोग और हितग्राहियों के खातों में सीधे भुगतान की अनुमति मिल गई है। राशि आवंटन के बाद नगर निगम द्वारा आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं।

नगर निगम आयुक्त सीपी राय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी 93 पात्र हितग्राहियों के खातों में राशि डीबीटी के माध्यम से शीघ्र हस्तांतरित की जाए, ताकि आवास निर्माण कार्य को गति मिल सके। योजना की राशि मिलने से हितग्राही अपने अधूरे आवास निर्माण को आगे बढ़ा सकेंगे और उन्हें पक्के घर का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति गठित

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। राज्य शासन द्वारा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय एम.ओ.एस.पी.आई. एवं राज्य सरकार के मध्य सांख्यिकीय गतिविधियों के प्रभावी समन्वय एवं केंद्रीय क्षेत्रीय अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी के सम्बन्ध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उप महानिदेशक, भारत सरकार, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) तथा सम्बंधित केंद्रीय मंत्रालयों - राज्य के विभागों, केंद्रीय या राज्य पीएसयू के प्रतिनिधि (एजेंडा अनुसार) सदस्य होंगे। आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, म.प्र को सदस्य-सचिव नामित किया गया है।

समिति का कार्यक्षेत्र एम.ओ.एस.पी.आई और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों तथा राज्य के सांख्यिकी विभाग के बीच नियमित संवाद को सुगम बनाना जिससे प्रमुख राष्ट्रीय सर्वेक्षणों जैसे एन.एस.एस, ए.एस.एल, आर्थिक जनगणना एएसयूएसई, पीएलएफएस, एचसीईएस अलावा अन्य सांख्यिकी गतिविधियों का योजनाबद्ध क्रियान्वयन किया जा सके। आगामी अखिल भारतीय सर्वेक्षणों, सेंपल फ्रेम्, सैंपल मिलान तथा इनमें राज्य की भागीदारी से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाना, एम.ओ.एस.पी.आई द्वारा जारी मानकों जैसे राष्ट्रीय मेटाडाटा संरचना 2.0, सांख्यिकी गुणवत्ता मूल्यांकन ढांचा (एस.क्यू.ए.एफ) आदि के राज्य सांख्यिकी प्रणाली में अपनाना तथा समीक्षा एवं निगरानी करना तथा एम.ओ.एस.पी.आई तथा राज्य सरकार के सांख्यिकी विभाग के बीच समन्वय के लिए मंच के रूप में कार्य करने जैसे कार्य किए जाएंगे। समयबद्धता एवं तुलनीयता अंतर्गत राज्य एवं जिला स्तर के सांख्यिकीय उत्पादों जैसे जीएसओपी, जीडीडीपी, औद्योगिक उत्पादन सूबकांक, मूल्य सूचकांक आदि की राष्ट्रीय मानकों, समयबद्धता एवं नीति प्रासंगिकता के अनुरूप समीक्षा की जायेगी। साथ ही राज्य स्तर पर सांख्यिकीय कार्यों में अंतराल ओवरलेप या दोहराव की पहचान कर सुधारात्मक उपाय सुझाना तथा आधुनिक एवं आईटी-सक्षम सांख्यिकीय विधियों को अपनाने को प्रोत्साहित करना एवं उनकी निगरानी जैसे कार्यों का संपादन करेगी।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

राजगढ़, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा और पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने की। इस दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने स्कूल बसों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए फिटनेस प्रमाणपत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य जरूरी सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी निजी स्कूल बस चालकों का पुलिस सत्यापन कराया जाए। जिन स्कूल बसों के पास फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं है, उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाए और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने बनाया तकनीकी निगरानी मॉडल

मुख्यालय एवं विद्युत गृहों के विशेषज्ञ अभियंताओं की संयुक्त समन्वय टीम गठित

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने अपने ताप एवं जल विद्युत गृहों की वार्षिक रखरखाव एवं पूंजीगत ओवरहॉल गतिविधियों के उपरांत इकाइयों के अधिक सुरक्षित, दक्ष एवं निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी निगरानी व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि कंपनी का विश्वास है कि मशीनों की तरह कार्य प्रणालियों का भी समय-समय पर मूल्यांकन एवं पुनर्विचार आवश्यक होता है। इससे न सिर्फ बेहतर समाधान उभर कर आते हैं बल्कि कंपनी भी नवाचार के साथ निरंतर विकसित होकर आगे बढ़ने के लिए तत्पर होती है। उन्होंने कहा कि यह पहल तकनीकी विशेषज्ञता, सहभागिता एवं नवाचार को बढ़ावा देते हुए विद्युत उत्पादन की विश्वसनीयता को नई मजबूती प्रदान करेगी।

निरंतर निगरानी और विश्लेषण करेगी टीम

गठित समन्वय टीम ओवरहॉल अवधि के दौरान संबंधित विद्युत गृहों का नियमित भ्रमण करेगी तथा यह सुनिश्चित करेगी कि पिछली ओवरहॉल अवधि के बाद आई विभिन्न तकनीकी ट्रिपिंग के मूल कारणों का उचित विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय अपनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त तकनीकी कार्यों की गतिविधियों की गुणवत्ता की भी समीक्षा की जाएगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी ओवरहॉल गतिविधियों का दैनिक प्रगति प्रतिवेदन तैयार किया जाए एवं विद्युत गृह में गठित गुणवत्ता नियंत्रण दल द्वारा उसका सत्यापन किया जाए।

कंपनी के चार ताप विद्युत गृह अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर व सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया द्वारा कुल 4570 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। पावर जनरेटिंग कंपनी के 10 जल विद्युत गृहों गांधीसागर, पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, रानी अबंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, बाण सागर जल विद्युत गृह के टोंस, सिलपरा, देवलोंद, झिन्ना जल विद्युत गृह, बिरसिंगपुर जल विद्युत गृह, राजघाट जाल विद्युत गृह एवं मड़ीखेड़ा जल विद्युत गृह द्वारा कुल 915 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। रतागुरडिया ग्राउंड माउंटेड सोलर प्रोजेक्ट से कुल सात मेगावाट सोलर बिजली का उत्पादन होता है। कंपनी की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 5492 मेगावाट है। उत्पादन इकाइयों में वार्षिक एवं पूंजीगत ओवरहॉल एक निर्धारित एवं व्यापक रखरखाव प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उपकरणों की कार्यक्षमता बनाए रखना, संभावित खराबियों को रोकना तथा संयंत्रों की विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

कैसे होगी निगरानी

इस तकनीकी निगरानी व्यवस्था में पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा मुख्यालय एवं संबंधित विद्युत गृहों के अनुभवी व युवा अभियंताओं को सम्मिलित करते हुए यूनिटवार समन्वय टीम गठित की हैं। यह टीम ओवरहॉल कार्यों की योजना, निरीक्षण, मूल्यांकन एवं अनुपालन की सतत निगरानी करेंगे, जिससे किसी भी संभावित तकनीकी कमी अथवा परिचालन बाधा की संभावना को न्यूनतम किया जा सकेगा। इन टीमों के गठन में विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी समूह में शामिल अभियंता अपने स्वयं के विद्युत उत्पादन इकाई के ओवरहॉल कार्यों से संबद्ध न हों। इससे निरीक्षण प्रक्रिया में निष्पक्षता, व्यापक तकनीकी मूल्यांकन एवं बेहतर सुझावों का समावेश सुनिश्चित होगा।

40 से अधिक राष्ट्रीय उद्योगों, रक्षा प्रतिष्ठानों, अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थानों ने साझा किए सुझाव

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को नई गति देने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में हुआ मंथन

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उप महानिदेशक (स्वदेशीकरण) सुशील कुमार सतपुते ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थान और शिक्षण संस्थाएं एक साझा मंच पर आकर नवाचार आधारित रक्षा विनिर्माण को आगे बढ़ाएंगी। राज्यों में मजबूत औद्योगिक एवं नवाचार आधारित इको सिस्टम विकसित करना समय की आवश्यकता है और केंद्र व राज्यों के समन्वित प्रयासों से ही देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकेगा।

रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 20-21 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 'आत्मनिर्भरता इन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग : प्रमोटिंग स्टेट-लेवल इकोसिस्टम्स' की तैयारियों के तहत मप्र शासन द्वारा एमपीआईडीसी मुख्यालय, भोपाल में तीसरे चरण के अंतर्गत राज्य स्तरीय फ्लैगशिप परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता, स्वदेशीकरण, एमएसएमई, स्टार्टअप, नवाचार तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला में देशभर के 40 से अधिक प्रमुख उद्योगों, रक्षा प्रतिष्ठानों, अनुसंधान संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं और नीति विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से भागीदारी कर अपने सुझाव साझा किए। मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय पहल में 'इंडिजेनाइजेशन, एमएसएमई, स्टार्टअप एवं इनोवेशन इकोसिस्टम' विषय पर सह-नेतृत्व (को-लीड) राज्य की भूमिका निभा रहा है।

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य की उद्योग अनुकूल नीतियां, विकसित औद्योगिक आधारभूत संरचना, उपलब्ध संसाधन तथा कुशल मानव संसाधन इसे देश के प्रमुख रक्षा उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला राज्य की भावी रणनीति तय करने के साथ उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रस्तावित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की रूपरेखा, राज्यों की भूमिका तथा मध्यप्रदेश की सह-नेतृत्व जिम्मेदारी पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान बताया गया कि रक्षा उत्पादन विभाग ने राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए सात प्रमुख रणनीतिक विषय निर्धारित किए हैं, जिन पर राज्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

एमपीआईडीसी द्वारा डिफेंस एवं एयरोस्पेस रणनीति वर्ष 2026-30 प्रस्तुत की गई। इसमें राज्य की वर्तमान औद्योगिक स्थिति, छह रणनीतिक स्तंभों तथा 24 प्रमुख पहलों के माध्यम से रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में निवेश, नवाचार और विनिर्माण को बढ़ावा देने की कार्ययोजना साझा की गई।

59 बेसहारा बच्चों की शिक्षा से लेकर भविष्य निर्माण तक की जिम्मेदारी निभाएगा 'विजय सेवा न्यास'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने स्कूल फीस के चेक किए वितरित

बैतूल/भोपाल, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को बैतूल के रामकृष्ण बगिया में 'विजय सेवा न्यास' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 42 बेसहारा परिवारों के 59 बच्चों की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए उनकी स्कूल फीस के चेक संबंधित विद्यालयों के संचालकों एवं प्राचार्यों को सौंपे। इस अवसर पर बच्चों को शैक्षणिक सामग्री के लिए दो-दो हजार रुपये की सहायता राशि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पूर्व सांसद स्वर्गीय विजय कुमार खण्डेलवाल की स्मृति में संचालित 'विजय सेवा न्यास' केवल बच्चों की शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके समग्र विकास और भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी भी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि न्यास द्वारा गोद लिए गए 59 बेसहारा बच्चों की पढ़ाई, मार्गदर्शन और भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार की दिशा में भी आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विजय सेवा न्यास का उद्देश्य बेसहारा बच्चों को शिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन के योग्य बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

मारवाड़ी युवा मंच व जागृति शाखा द्वारा रक्तदान शिविर

जांजगीर-चाम्पा। मारवाड़ी युवा मंच व जागृति शाखा एवं अग्रसेन सेवा समिति नैला जांजगीर के संयुक्त तत्वाधान में जनसेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोन अमर सुल्तानिया, जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय प्रांतीय मंडल उपाध्यक्ष दीपक सिंघानिया अग्रसेन सेवा समिति के अध्यक्ष संजय भोपालपुरिया विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत गांधी एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रीना केडिया के आदेश पर मंच नियमित रूप से जन सेवा के कार्य वृहद स्तर पर पूरे प्रदेश में संचालित करता आ रहा है। इसी कड़ी में जनहित कार्य के अंतर्गत रक्तदान शिविरका आयोजन भी जांजगीर-नैला नगर में किया गया। मारवाड़ी युवा मंच व जागृति शाखा एवं अग्रसेन सेवा समिति द्वारा

जनकल्याणकारी कार्य करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन अग्रसेन भवन नैला जांजगीर मे किया गया सर्वप्रथम राष्ट्रीय उपाध्यक्षजोन 4 अमर सुल्तानिया द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया उसके उपरांत जन मानस के द्वारा रक्त का दान किया गया सभी रक्तदाताओं के लिए जूस फल नाश्ता का इंतजाम किया गया था राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया द्वारा कहा गया कि हमारी शाखा इस प्रकार के जनकल्याणी कार्य लगातार करती आ रही है और भविष्य में भी करती रहेगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय द्वारा कहा गया कि जनकल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन लगातार अग्रवाल समाज के द्वारा किया जाता आ रहा है रक्तदान एक महादान है हर व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रांतीय निर्देशिका श्रीमती सुनीता मोदी, श्रीमती शिखा अग्रवाल, श्रीमती शीला अग्रवाल, श्रीमती पूनम अग्रवाल, रुई अध्यक्ष श्रीमती पूनम अग्रवाल, सचिव श्रीमती अनीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता मोदी एवं दोनों शाखा के साथ-साथ अग्रेशन सेवा समिति के अध्यक्ष संजय भोपालपुरिया का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर का निरीक्षण

बिलासपुर। तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री आर.के. चौधरी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री मुदित भटनागर, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन सहित मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने लोकोमोटिव अनुरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यों का अवलोकन करते हुए व्हील पैरामीटर मापन प्रणाली, ट्रैक्शन मोटरों के अनुरक्षण तथा न्यूमैटिक, विद्युत एवं अन्य यांत्रिक उपकरणों के रखरखाव की समीक्षा की। उन्होंने संरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध अनुरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर द्वारा विकसित ई-70 ब्रेक टेस्ट बेंच, 500 सीएफएम क्षमता के नवीन औद्योगिक एयर कम्प्रेसर तथा रबर, वार्निश एवं बेयरिंग के लिए वातानुकूलित एवं ज्वलनशील पदार्थों हेतु निर्मित विशेष डार्क भंडारण कक्ष का उद्घाटन किया। निरीक्षण के दौरान तकनीकी प्रगति के अनुरूप कर्मचारियों के कौशल विकास, उपलब्ध मानव संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा अन्य लोको शेडों की श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को अपनाकर लाइन में लोकोमोटिव विफलताओं में कमी लाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अनुरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों को अधिकाधिक अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर के अधिकारियों एवं संबन्धित कर्मचारियों ने महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारियों को शेड में संचालित विभिन्न अनुरक्षण गतिविधियों, नवाचारों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने इलेक्ट्रिक लोको शेड, बिलासपुर द्वारा किए जा रहे नवाचारों एवं उत्कृष्ट अनुरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संरक्षा, गुणवत्ता और विश्वसनीयता भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं तथा इन्हें सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी उन्नयन, नवाचार और सतत प्रयास आवश्यक हैं।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन 20 जून से

बिलासपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के लिए ऑनलाइन आवेदन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पात्र विद्यार्थी विभाग की वेबसाइट https://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष शिविर का आयोजन

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद पंचायत सक्ती में विशेष जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान की गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन भी प्राप्त किए गए।

कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए आम नागरिकों को शासन की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। शिविर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभ उपलब्ध कराना है।

पीएम के खिलाफ फर्जी पोस्ट से देश को बदनाम करने की साजिश

7 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरेगा महिला मोर्चा

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के फेसबुक हैंडल पर आपत्तिजनक पोस्ट का मामला

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित फर्जी एवं भ्रामक पोस्ट प्रसारित करने के मामले में भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। जिला भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री उमा राजेंद्र राठौर ने सिटी कोतवाली जांजगीर में लिखित शिकायत सौंपकर संबंधित फेसबुक पोस्ट पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उमा राजेंद्र राठौर ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी नामक फेसबुक हैंडल से साझा किए गए पोस्ट में अमेरिकी नेता मार्को रुबियो के नाम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के संबंध में मनगढ़ंत एवं भ्रामक बातें लिखी गई

हैं। सार्वजनिक स्रोतों में ऐसे किसी बयान का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है, इसलिए यह पोस्ट केवल राजनीतिक विरोध नहीं बल्कि सुनियोजित दुष्प्रचार का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से राजनीतिक लड़ाई लड़ने के बजाय सोशल मीडिया पर झूठ और फर्जी सामग्री के सहारे देश की छवि और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रही है। उमा राजेंद्र राठौर ने कहा कि यह मामला किसी एक राजनीतिक दल या नेता का नहीं है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनाव आयोग, ईवीएम प्रणाली और करोड़ों मतदाताओं के विश्वास का है। यदि कोई राजनीतिक संगठन झूठे विदेशी बयान गढ़कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होना आवश्यक है। उन्होंने कहा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर झूठ फैलाने और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। यदि कोई संगठन या व्यक्ति फर्जी पोस्ट के माध्यम से देश विरोधी भ्रम फैलाएगा तो भाजपा महिला मोर्चा उसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगा। महिला मोर्चा की जिला महामंत्री ने प्रशासन से मांग की है कि पोस्ट के मूल स्रोत की तत्काल जांच हो, संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से पोस्ट हटाई जाए। दोषियों पर साइबर एवं अन्य लागू कानूनों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो जिला भाजपा महिला मोर्चा चरणबद्ध उग्र आंदोलन शुरू करेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कांग्रेस से मांगा जवाब

उमा राजेंद्र राठौर ने कांग्रेस नेतृत्व से भी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने की मांग की कि या वह इस पोस्ट की सामग्री का समर्थन करता है या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि यह पोस्ट अधिकृत फेसबुक हैंडल से साझा की गई है तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए और जनता के सामने सत्य रखा जाना चाहिए।

प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में किए जा रहें प्रयास सराहनीय : डॉ कपिलदेव दीपक

कृषि विज्ञान केंद्र पहुँचे आईजीकेवी का कुल सचिव

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलसचिव डॉ कपिलदेव दीपक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय कुमार शर्मा ने कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर चांपा के एक दिवसीय भ्रमण पर पहुँचे और उन्होंने केंद्र द्वारा प्राकृतिक खेती उत्पादन इकाई, समन्वित खेती मॉडल, मशरूम उत्पादन इकाई, गौशाला इकाई, पॉलीहाउस, पाइनेपल एवं अन्य इकाई का भ्रमण कर प्रशंसा किया। कुलसचिव डॉ कपिलदेव दीपक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय शर्मा ने केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ खेमा दास महंत के नेतृत्व में पौध रोग विशेषज्ञ डॉ आशीष प्रधान के साथ साथ अन्य वैज्ञानिकों डॉ रंजीत मोदी, डॉ. आशुलता ध्रुव, डॉ प्रदीप सिंह, डॉ सूर्यवंशी के विशेष प्रायस से निर्मित प्राकृतिक खेती उत्पादन इकाई का शुभारंभ किया। इस इकाई में एनारोबिक जीवामृत निर्माण, ट्राइकोडर्मा निर्माण, वेस्ट डीकंपोजर, माइकोराइजा निर्माण, वर्मीवाश निर्माण, ब्रह्मास्त्र निर्माण एवं अन्य इकाइयों को शुभारंभ की। साथ ही केंद्र में एसबीआई ट्रेनिंग सेंटर से भ्रमणकारी 80 प्रशिक्षार्थी गण एवं पशु सखी दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत सरकार के मार्गदर्शन में कार्यरत केवीके जांजगीर-चांपा से जुड़कर कृषि तकनीकी एवं उद्यम से लाभकारी कदम बढ़ा सकते है साथ ही केवीके द्वारा किए जा रहे नवाचार जिले के लिए अलग पहचान बन रही है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आईजीकेवी के मार्गदर्शन में केवीके किसानों को आगे बढ़ाने के बहुत ही अच्छा प्रयास कर रहीं है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत किसान मास्टर ट्रेनर दुष्यंत सिंह, आशीष राठौर, दीनदयाल यादव, रूपेश कंवर को इनपुट निर्माण सामग्री वितरण किया गया, जिसमें 200 लीटर क्षमता की ड्रम, बेसन, गुड, मिर्च एवं लहसुन आदि शामिल किया गया है। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र जांजगीर चांपा के अधिष्ठाता डॉ ए पी अग्रवाल ने केवीके और महाविद्यालय द्वारा अनुसंधान एवं विस्तार के संबद्ध में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ मनीष कुमार, केंद्र के सभी वैज्ञानिकगणों में डॉ प्रदीप कुमार, डॉ मोदी, डॉ आशु लता, डॉ आशीष प्रधान एवं अन्य सभी स्टाफ के साथ जिले के कई प्रगतिशील कृषक अरुण अग्रवाल, एसबीआई ट्रेनिंग सेंटर के अरुण पांडे, अकलतरा ब्लॉक के वरिष्ठ पशु चिकित्सक व ए हेल्प प्रोग्राम के मास्टर ट्रेनर डॉ.एस एस सिदार विशेष रूप से उपस्थित थे।

खरीफ फसल के लिए 5 जुलाई से नहरों में दिया जायेगा पानी

नहरों की मरम्मत एवं अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की हुई चर्चा

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। कलेक्टर की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2026 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर के द्वारा बांध में जल उपलब्धता की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत जांजगीर चाम्पा, सक्ती, कोरबा एवं रायगढ़ जिले के 2,47,400 हेक्टेयर में खरीफ सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बांध में 55.82 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। बैठक में सर्वसम्मति से 5 जुलाई 2026 से 30 अक्टूबर 2026 तक पानी देने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा कि जल का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने उपसंचालक कृषि, सहकारी बैंक, बीज निगम के अधिकारियों को खाद बीज एवं कीटनाशक दवाईयों की आवश्यकता अनुसार भण्डारण करने तथा समय पर किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही खाद की काला बाजारी पर करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नहर मरम्मत कार्य में अनावश्यक विलंब करने वाले ठेकेदारो पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। बैठक में जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, विधायक जैजैपुर बालेश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार साहू, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे, अन्य जनप्रतिनिधि, कृषक संगठन के प्रतिनिधि, कृषकगण सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

दलहन तिलहन की खेती पर मिलेगा 15 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन

जांजगीर-चाम्पा। फसल परिवर्तन के माध्यम से किसानों के हित में राज्य सरकार ने आगामी खरीफ से किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत कृषक उन्नति योजना अंतर्गत पूर्व से ही खरीफ फसलें जैसे मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, दलहन-तिलहन एवं कपास जैसी फसल लेने वाले कृषकों को 10 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदाय किये जाने एवं धान के स्थान पर अन्य खरीफ की फसल लेने वाले कृषकों को राशि रूपये 15 हजार प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जावेगी। योजनान्तर्गत पंजीयन कराने वाले किसानों को एग्रीस्टैक पर पंजीयन तथा डिजीटल क्रॉप सर्वे में रकबे की पुष्टि उपरांत मान्य रकबें पर आदान सहायता राशि कृषकों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जावेगी। योजना का लाभ लेने हेतु किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल पर सेवा सहकारी समिति या सीएससी सेंटर में अपनी फसल का पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने यातायात पुलिस की अभिनव पहल

हाईवे किनारे ढाबा संचालकों को दी गई विशेष समझाईश

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार द्वारा एक विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार द्वारा स्वत- थाना प्रभारी अकलतरा निरीक्षक भास्कर शर्मा एवं हाइवे पेट्रोलिंग टीम के साथ जाकर हाईवे किनारे संचालित होने वाले ढाबा संचालकों से संपर्क कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, और उन्होंने बताया कि कई बार बड़े मालवाहक वाहन एवं ट्रक चालक विश्राम के लिए ढाबों के सामने अथवा सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में ढाबा संचालकों की महत्वपूर्ण भूमिका है कि वे किसी भी बड़े वाहन को मुख्य सड़क अथवा रोड के किनारे खड़ा न होने दें तथा उन्हें सुरक्षित पार्किंग स्थल की ओर निर्देशित करें। इसके साथ ही ढाबा संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने प्रतिष्ठान के सामने पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करें। ढाबों के सामने हाईमास्ट लाइट अथवा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था होने से रात के समय वाहन चालकों को सड़क की स्थिति स्पष्ट दिखाई देगी तथा दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी। इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने डभरा में उन्नत कृषक मेला, 675 किसानों ने लिया हिस्सा

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। राज्य सरकार के जनकल्याणकारी अभियान के तहत नगर पंचायत डभरा स्थित अग्रसेन भवन में प्राकृतिक एवं जैविक कृषि कार्यशाला तथा उन्नत कृषक मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रभारी मंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती वर्तमान समय की आवश्यकता है। इससे भूमि की उर्वरता संरक्षित रहती है, उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती अपनाने और शासन की कृषि योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में जिले भर से लगभग 675 किसानों ने भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीकों, जैविक एवं प्राकृतिक खेती की उन्नत पद्धतियों तथा विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने, लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने के उपाय बताए। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा किसानों को अरहर मिनीकिट, नील हरित शैवाल तथा पौधरोपण के लिए पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष द्रौपदी कीर्तन चंद्रा, उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल, रघुराम गुप्ता, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पंडो परिवार की बदहाल जिंदगी

राशन कार्ड, आधार, बिजली और पानी से वंचित परिवार

(लोकमाया न्यूज)।

सूरजपुर/प्रेमनगर। विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के सरकारी दावों के बीच नगर पंचायत प्रेमनगर के एक पंडो परिवार की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े करती है। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पंडो समुदाय का यह परिवार आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है।

नगर पंचायत प्रेमनगर के वार्ड क्रमांक 15 पोया डुग्गू वार्ड निवासी कमलेश पंडो अपनी पत्नी सविता पंडो और दो बेटियों के साथ रहते हैं। परिवार के पास राशन कार्ड नहीं होने से उन्हें सरकारी राशन का लाभ नहीं मिल रहा है। मजबूरी में बाजार से करीब 30 रुपये किलो की दर से चावल खरीदकर परिवार का भरण-पोषण करना पड़ रहा है।

कमलेश पंडो ने बताया कि उनकी पत्नी सविता पंडो और दोनों बेटियों का आज तक आधार कार्ड नहीं बन पाया है। आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में परिवार कई शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित है। राशन कार्ड बनवाने के प्रयास भी अब तक सफल नहीं हो सके हैं।

परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। आजीविका चलाने के

लिए कमलेश पंडो और उनके परिजन जंगल से लकड़ी लाकर बाजार में बेचते हैं। इसी से होने वाली मामूली आमदनी पर पूरे परिवार का गुजारा चल रहा है। नगर पंचायत क्षेत्र में रहने के बावजूद उन्हें मनरेगा के तहत भी रोजगार नहीं मिल पा रहा है।

परिवार के सामने पेयजल संकट भी गंभीर है। घर के पास न तो नल की सुविधा है और न ही कोई नियमित जल स्रोत। परिवार को जंगल और नाले से पानी लाकर उपयोग करना पड़ता है। स्वच्छ पेयजल के अभाव में स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बने हुए हैं।

परिवार के घर तक आज तक बिजली नहीं पहुंची है। रात होने पर पूरा परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर हो जाता है। इससे बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन भी प्रभावित होता है। ग्रामीणों के अनुसार सविता पंडो का जीवन भी कठिनाइयों से भरा रहा है। बचपन में ही उन्होंने अपनी मां को खो दिया था और नाना-नानी के संरक्षण में उनका पालन-पोषण हुआ। बाद में उनका विवाह कमलेश पंडो से हुआ। जिस घर में उन्होंने बचपन बिताया था, वह भी अब जर्जर होकर समाप्त हो चुका है। आज वे अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। जब विशेष पिछड़ी जनजाति का एक परिवार नगर पंचायत क्षेत्र में रहकर भी राशन कार्ड, आधार कार्ड, बिजली, पेयजल और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, तो विकास और कल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हमर उत्थान सेवा समिति ने प्रशासन से मांग की है कि परिवार का तत्काल आधार पंजीयन कराया जाए, राशन कार्ड जारी किया जाए तथा बिजली, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही परिवार को शासन की सभी पात्र योजनाओं से जोड़कर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया जाए।

सम्पादकीय

नीट पेपर लीक

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है।

कॉकरोच जनता पार्टी के पहले जमीनी विरोध प्रदर्शन में सामान्यतः अपेक्षाकृत संपन्न परिवारों से आए छात्र- नौजवानों का जमावड़ा लगा। उनका, जो शिक्षा के जरिए ऊंचे करियर का सपना देख सकने की स्थिति में होते हैं। शिक्षा की ढहती व्यवस्था उनके सपनों के साकार होने में रुकावट बन गई है, तो ये युवा ये पूछने निकले हैं कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसीलिए नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो शब्द सबसे ज्यादा सुनाई दिया, वो है- जवाबदेही।

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने इनके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है, इसलिए उनकी पहली मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। वैसे, प्रदर्शन स्थल पर सवाल यह भी उठा कि यूनिवर्सिटीज की टॉप वर्ल्ड रैंकिंग में पहले 100 स्थान में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय क्यों नहीं है? ये बुनियादी प्रश्न हैं। सत्ताधारी इनकी ज्यादा देर तक अनदेखी नहीं कर सकते। भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि कॉकरोच लामबंदी में बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हुए हैं, जिनकी उम्र 15-25 वर्ष के बीच है। उन्होंने अपने होश में सिर्फ मोदी राज देखा है।

इसलिए उनके बीच पिछली सरकारों की नाकामियों का शोर मचाने की रणनीति निष्प्रभावी होने लगी है। ये पीढ़ी हिंदू- मुसलमान, देशद्रोही- पाकिस्तान आदि के नैरेटिव्स को सुनते हुए बड़ी हुई है। उससे उसको तब तक शिकायत नहीं थी, जब तक उन्हें अपना करियर सुरक्षित दिखता था। आम तुजुर्बा है कि जब अपना भविष्य दांव पर लगा दिखे, तो ऐसी कहानियां बेअसर होने लगती हैं। जंतर-मंतर एक ऐसी पीढ़ी के उभर चुकने का गवाह बना। सत्ता पक्ष को इस जमीनी बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। जवाबदेही की उठी मांग पर उसे सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। युवा भावनाओं को दबाने या भटकाने की कोशिश के उलटे परिणाम हो सकते हैं। याद रखना चाहिए कि दुनिया ज़ेन-जी परिघटना से गुजर रही है। अतः भारत में इस पीढ़ी की आंकाक्षाएं संवैधानिक दायरे में पूरी हो जाएं, इसे वर्तमान सरकार को अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

विशेष लेख

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026: स्वस्थ जीवन और विकसित भारत का आधार बनेगा योग

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर, उप संचालक, जनसंपर्क

भारत में प्राचीन काल से ही योग हमारी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋषि-मुनियों, योगियों और संतों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। भारतीय ज्ञान परंपरा की यह अमूल्य धरोहर आज विश्वभर में स्वास्थ्य और कल्याण का पर्याय बन चुकी है। इसी विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की, जो आज विश्वव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग) रखी गई है। यह थीम योग के माध्यम से जीवन के प्रत्येक चरण में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का संदेश देती है। योग न केवल रोगों से बचाव का प्रभावी माध्यम है, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली की आधारशिला भी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में योग आज विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। प्रधानमंत्री का मानना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। योग व्यक्ति को स्वस्थ बनाकर परिवार समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनता है इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर का मुख्य आयोजन कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है जहां प्रधानमंत्री स्वयं योगाभ्यास का नेतृत्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबिकापुर में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं योगाभ्यास में सहभागिता करेंगे और प्रदेशवासियों को नियमित योग अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगे। राज्य सरकार द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय का मानना है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। यही कारण है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य संवर्धन और जनजागरूकता अभियानों में योग को विशेष महत्व दे रही है।

प्राकृतिक संसाधनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में योग का संदेश लोगों के जीवन से सहज रूप से जुड़ता है। प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली योग के मूल सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करती है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और शासकीय संस्थानों में नियमित योग गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, अनियमित जीवनशैली और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास शरीर को निरोग, मन को शांत और जीवन को संतुलित बनाता है। यह व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि योग को केवल एक दिवस का आयोजन न मानकर दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को अपनाना समय की आवश्यकता है। आइए, योग के माध्यम से स्वस्थ छत्तीसगढ़, विकसित भारत और समृद्ध विश्व के निर्माण में अपना योगदान दें।

ऐतिहासिक कार्यकाल, परिवर्तनकारी नेतृत्व

सीपी राधाकृष्णन

> इतना ही नहीं, उनकी परिवर्तनकारी पहलकदमियों ने शिक्षा, आवासन, स्वच्छता, स्वास्थ्यसेवा और खाद्य निश्चितता के माध्यम से करोड़ों लोगों की गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है।

भारत ने 10 जून, 2026 को अपने लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज किया। इस रोज श्रीमान नरेंद्र मोदीजी ने प्रधानमंत्री के रूप में निर्बाध सेवा के 4,399 दिन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सिर्फ राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को ही नहीं दिखाती। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के लोगों के अडिग विश्वास और आस्था को भी प्रतिबिंबित करती है। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास के लिए अथक प्रतिबद्धता तथा भारत की अवाम के कल्याण और आकांक्षाओं प्रति अटूट निष्ठा को प्रतिबिंबित करती है।

परिवर्तनकारी नेतृत्व: 4,366 दिन और आगे

नरेंद्र मोदीजी ने राष्ट्र के प्रधान सेवक के रूप में भारत में सुशासन और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर आधारित अभूतपूर्व परिवर्तन के युग की शुरुआत की है। इतिहास अब्राहम लिंकन को मानव दासता का अभिशाप खत्म कर लाखों लोगों की गरिमा बहाल करने में उनके अडिग नेतृत्व के लिए उनका आदर करता है। इसी तरह, आने वाली पीढ़ियां 25 करोड़ से ज्यादा गरीबों को पूर्ण निर्धनता से बाहर निकालने के लिए श्रीमान नरेंद्र मोदीजी को याद करेंगी। उनकी दृष्टि, अथक प्रयासों और परिवर्तनकारी शासन ने अनगिनत परिवारों को अवसर, गरिमा और उम्मीद देकर सशक्त बनाया है तथा वे आर्थिक स्वतंत्रता और बेहतर भविष्य के आश्वासन को अपनाने में समर्थ बने हैं। उनका योगदान मानवता की सेवा में एक युगांतरकारी उपलब्धि के रूप में इतिहास में दर्ज रहेगा।

इतना ही नहीं, उनकी परिवर्तनकारी पहलकदमियों ने शिक्षा, आवासन, स्वच्छता, स्वास्थ्यसेवा और खाद्य निश्चितता के माध्यम से करोड़ों लोगों की गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। निःशुल्क खाद्यान्न के 2020 से जारी प्रावधान से लगभग 80 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा की रक्षा होने के अलावा यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी कमजोर नागरिक पीछे नहीं छूटने पाए। इसके अतिरिक्त, 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों का सुरक्षित और स्थाई घर का मालिक बनने का सपना पूरा हुआ जिससे उनमें सुरक्षा, गरिमा और भविष्य के लिए उम्मीद की भावना मजबूत हुई है। कुल मिला कर, ये पहलकदमियां एक सहृदय शासन और प्रत्येक भारतीय के कल्याण के लिए अटूट प्रतिबद्धता के स्थाई प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया है— चाहे वे महिलाएं हों, युवा हों, किसान हों या वंचित वर्ग के लोग। 3 करोड़ से ज़्यादा लखपति दीदियों का सामने आना महिला नेतृत्व में विकास के उनके दृष्टिकोण का एक सशक्त प्रमाण है, जबकि नारी शक्ति के तहत शुरू की गई पहलों ने महिलाओं को देश के निर्माण में और भी अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है। नए आईआईटी, एम्स, मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना से भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा तेज़ी से बढ़ा है, जिससे देश के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा हुए हैं। साथ ही, भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व क्रांति देखी है। वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों के तेज़ी से विस्तार से लेकर दूर-दराज़ के इलाकों तक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने वाली परियोजनाओं तक, उनके नेतृत्व में एक आधुनिक, आपस में जुड़े हुए और महत्वाकांक्षी भारत की नींव रखी है। इन उपलब्धियों ने न केवल आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि देश भर के लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है। भारत डिजिटल नवाचार, सेमी-कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, वैक्सीन बनाने और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है, जिससे उभरती हुई नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विश्व में हमारे देश की स्थिति और मजबूत हुई है।

विकास भी, विरासत भी तमिल विरासत का सम्मान, तमिलनाडु का विकास

समकालीन नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जो बात सबसे अलग और अनूठी बनाती है, वह है उनका यह दृढ़ विश्वास कि विकास और परंपरा कोई परस्पर विरोधी विचार नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। विकास भी, विरासत भी की अपनी दूरदर्शी सोच के ज़रिए उन्होंने यह दिखाया है कि कोई देश अपनी सभ्यतागत विरासत से जुड़े रहते हुए भी तेज़ी से आधुनिकीकरण की राह पर आगे बढ़ सकता है।

उनके नेतृत्व में, भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी, मैन्युफैक्चरिंग और समाज कल्याण के क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास किया है और इसके साथ ही अपनी प्राचीन संस्कृति, भाषाओं, आध्यात्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के प्रति एक नए गौरव का अनुभव किया है। चाहे पवित्र स्थलों का जीर्णोद्धार हो, सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनरुत्थान हो, शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना या अमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण हो- उनके शासन में आधुनिक आकांक्षाओं और शाश्वत मूल्यों का दुर्लभ समन्वय देखने को मिलता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: मानवता में एकाकार होने का अनुपम संकल्प

आईये भारत की प्राचीन योग परंपरा का पूरे मनोयोग से अनुसरण करें

योग और भोग दोनों में आनंद है लेकिन योग में किसी माध्यम की जरूरत नहीं होती, यह अपने आप में अकेले ही इंसान को आनंद दे देता है। जबकि भोग के लिए अपने अलावा किसी अन्य की ज़रूरत होती है। बस योग की इसी प्राचीन प्रक्रिया और उसके इसी अनुपम और अद्वितीय अभिलक्षण की वज़ह से ही भारत की प्राचीनतम ऋषि योग परंपरा समूची दुनिया में महिमामंडित है। जो हमें हमेशा यह याद दिलाते रहती है कि मानव जीवन का अगर सबसे परम तत्व प्राप्त करना है तो योग ही इसमें पूरी तरह सहायक है। योग मतलब मन, वचन, कर्म के साथ अपनी समस्त शारीरिक क्रियाएं मन मस्तिष्क के साथ एक उच्च लक्ष्य संधान की दिशा में आगे बढ़ाते हुए उस पर समन्वित क्रियान्वयन ताकि एक मानवतावादी माहौल का सृजनात्मक भाव समूचे जगत में

बिखरने लगे, जिससे संसार में मानवीय समानता के साथ प्रेम भाई चारे की गंगा प्रवाहित होने लगे। इंसान का मूल स्वभाव प्रेम है और जब योग से आदमी ख़ुद ब ख़ुद अपने नज़दीक होते हुए अपने अंतर्तम में पहुँचता है तो उसके हृदय की अंतः सलिला से प्रेम हर दूसरे आदमी के लिए अपने आप बहने लगता है। हमारे आदरणीय और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारतीय योग परंपरा के इसी शास्त्रीय महत्व को जानते और समझते हुए हमारी योग परंपरा को पूरी दुनिया के सामने स्थापित करने का जो अनुपम प्रयास किया है। उसके लिए हम सभी देशवासी प्रधानमंत्री का कोटि कोटि आभार व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी पहल के बाद 21 जून को संसार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य योग के अभ्यास से होने वाले शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। इस साल हम 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। जिसकी मुख्य थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग,स्वस्थ आयु के लिए योग) है। इस वर्ष का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित किया जाएगा,जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। इसके अलावा देशभर के विभिन्न हिस्सों,जैसे भारतीय वायु सेना के स्टेशनों पर भी सामूहिक अभ्यास किया जाएगा। योग दिवस मनाने का विचार सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने संबोधन में रखा था। भारत के इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 177 सदस्य देशों का समर्थन मिला। इसके बाद 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प 69/131 पारित करके 21 जून को आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित कर दिया। पहला योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था।21जून उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से इस दिन को प्रकृति में विशेष ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है जो योग और साधना के लिए बहुत अनुकूल माना जाता है। आप सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं

बृजमोहन अग्रवाल
रायपुर सांसद पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़
भाजपा सरकार

आज का राशिफल

मेष राशि- आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले बेहतर होने वाली है। आमदनी के अच्छे योग बनेंगे। आप सुखद पलों का अनुभव करेंगे। नौकरी में बदलाव के साथ अच्छी ग्रोथ मिलने की संभावना है। आप किसी मांगलिक समारोह में शामिल होंगे। अविवाहित जातकों के लिए आज का दिन खुशखबरी लेकर आने वाला है।

वृष राशि- आपके लिए खुशियों से भरा दिन रहेगा। आज आपको आपकी मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आप ऐसे व्यक्तियों से जुड़ेंगे, जिनसे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। जिससे आप आगे तरक्की कर पाएंगे। आपको नौकरी में बड़ा पद प्राप्त हो सकता है। इस समय आपको अपने खर्चों पर काबू रखना चाहिए। इस राशि के जो लोग एजुकेशन सेक्टर से जुड़े हैं उनके लिए ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि-आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से आज प्रशंसा मिलेगी। प्रमोशन के प्रबल योग हैं। आपके वैवाहिक रिश्ते में सुधार आएगा। परिवार के साथ किसी उत्सव में जाएंगे। कुछ विशेष कार्यों में खर्च भी होगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि- आपके लिए आज का दिन सुखद रहेगा। आपको आपकी समस्याओं का समाधान मिलेगा। आपके दांपत्य जीवन में खुशियां रहेंगी। आपके करियर को अच्छी ग्रोथ मिलने के योग हैं। नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। कहीं जॉब के लिए अप्लाई किया है, तो आज आपको अच्छी खबर मिलेगी। आपकी संतान को किसी बड़ी प्रतियोगिता में सफलता मिल सकती है।

सिंह राशि- आपके लिए आज का दिन लाभदायक रहेगा। बिजनेस के क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे। कुछ मामलों में सावधानी बरतने की भी जरूरत है। आज आप नया प्रोजेक्ट शुरू करेंगे।

कन्या राशि- आपके लिए आज का दिन मिला जुला रहेगा। आप दोस्तों के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे जिससे आपको बहुत खुशी मिलेगी। गवर्नमेंट सेक्टर से आपको कुछ अच्छे लाभ मिल सकते हैं। आज आपके मन में कुछ नए विचार या कंसेप्ट आएंगे। जिससे आप अपने बिजनेस को आगे बढ़ा पाएंगे।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। अगर आप नया बिजनेस करना चाहते हैं तो आपको आगे बढ़ने का पूरा मौका मिलेगा। दोस्तों का पूरा सपोर्ट रहेगा। वह आपके साथ हर मौके पर खड़े नजर आएंगे। आप किसी नई फिल्ड में भी हाथ आजमाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशि- आपके लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। आपको परिवार के बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। आपके कई रुके हुए काम बनेंगे जिसकी वजह से आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ समाज में अच्छा मान सम्मान मिलेगा।

धनु राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको आपके कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलता मिलेगी। आपका कांफिडेंस बढ़ेगा। लेकिन आप अपने व्यवहार को नम्र बनाएं। अपनी पूरी एनर्जी के साथ अपने काम को अच्छी तरह करें। आप अन्य नये क्षेत्रों से भी धन कमाने की कोशिश करेंगे। इसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मकर राशि- आज आपके लिए दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अपनी जगह बनाने के लिए एफर्ट लगाने होंगे। आप बढ़िया गैजेट या मोबाइल खरीदने का मन बनाएंगे। परिवार में किसी धार्मिक कार्य के होने की संभावना बन रही है। गवर्नमेंट सेक्टर में काम करने वाले लोगों को शुभ परिणाम मिलेंगे।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आपको व्यवसाय में मनचाही सफलता मिलेगी। कुछ अनुभवी लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। आपकी आमदनी में अच्छे लाभ की संभावना बन रही है। आप किसी सामाजिक समारोह में शामिल हो सकते हैं।

मीन राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। अपने कार्य क्षेत्र में आप अच्छा परफॉर्म करेंगे। अच्छी सफलता मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति में अच्छे ग्रोथ की संभावना है। ऑफिशियल कारणों से कहीं दूसरी जगह जाने के योग बन रहे हैं।

शब्द कौतुक

सू- दोकू क्र.075

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.074का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

सुडुको

शब्द सामर्थ्य -075

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

1	2	■	3		4	■	■	■
5				■	6		7	8
■		■	9			■	10	
■		■		■	11	12		
13				■	14		■	■
	■	■	■	■	■	15		16
	■	17		18			■	
19			■		■	■	20	
■	■	21					■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 074 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धनसुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

संक्षिप्त समाचार

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चलाए जा रहे 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर का आज दूसरा दिन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में 18 से 20 जून तक आयोजित इस विशेष शिविर में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए पंजीयन करा रहे हैं। शिविर का समापन 20 जून को होगा। शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाना तथा उन्हें योजनाओं की जानकारी एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। दूसरे दिन भी सुबह 11 बजे से नागरिकों की आवाजाही लगातार बनी रही। लोगों ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत कर पंजीयन कराया तथा योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। विभिन्न योजनाओं के लिए किया जा रहा पंजीयन एवं मार्गदर्शन शिविर में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए पंजीयन एवं मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पात्र हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेजों, पात्रता शर्तों तथा आवेदन प्रक्रिया की भी विस्तृत जानकारी दी जा रही है। अध्यक्ष नगर पंचायत उतई सरस्वती नरेंद्र साहू एवं पार्षद नगर पंचायत उतई एवं नोडल अधिकारी व उपायुक्त मोहेंद्र साहू शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर कर्मचारियों से योजनाओं की प्रगति एवं पंजीयन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं के अंतर्गत पात्र नागरिकों का अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए। शिविर में दुर्ग नगर पालिक निगम, नगर निगम रिसाली, नगर पालिक निगम भिलाई, नगर पंचायत उतई, जनपद पंचायत, खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, समाज कल्याण विभाग, विद्युत विभाग, क्रेडा, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित विभिन्न विभागों एवं योजनाओं के स्टॉल लगाए गए हैं, जहां नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक को योजनाओं की जानकारी, पात्रता संबंधी मार्गदर्शन एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि 20 जून तक आयोजित इस विशेष शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर लाभान्वित हों।

स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग में सदस्यों की नियुक्ति से जनोपयोगी प्रकरणों के निराकरण को मिलेगी नई गति

दुर्ग। आम नागरिकों को सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग में रिक्त पड़े सदस्यों के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। अब दो सदस्यों की नियुक्ति होने से जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित प्रकरणों की नियमित सुनवाई पुन: सुचारू रूप से प्रारंभ हो सकेगी। श्रीमती सुषमा लकड़ा, अध्यक्ष, स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का त्वरित, सस्ता एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना है, जिससे आम नागरिकों को न्यायालयीन प्रक्रिया की जटिलताओं एवं अनावश्यक विलंब से राहत मिल सके। उल्लेखनीय है कि स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-बी के अंतर्गत किया गया है। जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों के निराकरण के लिए इस अधिनियम की धारा 22-ए से 22-ई तक विशेष प्रावधान किए गए हैं। यह मंच नागरिकों को न्यायालयीन प्रक्रिया की जटिलताओं एवं अनावश्यक विलंब से बचाते हुए सरल, सुलभ एवं कम खर्चीला न्याय प्रदान करता है। सदस्यों के पद रिक्त होने के कारण जनोपयोगी प्रकरणों की नियमित सुनवाई प्रभावित हो रही थी। अब दो सदस्यों की नियुक्ति से स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कर सकेगी, जिससे प्रकरणों की नियमित सुनवाई एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित होगा तथा नागरिकों को समयबद्ध न्याय प्राप्त हो सकेगा। स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत में विद्युत, जल प्रदाय, डाक, दूरसंचार, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता, अस्पताल, बीमा सेवाएं, आवास एवं अचल संपत्ति विकास (बिल्डर) संबंधी सेवाएं तथा कॉलोनी/हाउसिंग प्रोजेक्ट से संबंधित विवादों का निराकरण किया जाता है। बिल्डरों द्वारा कॉलोनी विकास, भूखंड अथवा आवासीय इकाइयों के हस्तांतरण, मूलभूत सुविधाओं के विकास, रखरखाव तथा अन्य सेवा-संबंधी विवाद भी विधि अनुसार विचारणीय हो सकते हैं। इस मंच की विशेषता यह है कि यहां विवादों के समाधान के लिए पहले पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण समझौते का प्रयास किया जाता है तथा समझौता नहीं होने की स्थिति में लोक अदालत द्वारा विधि अनुसार निर्णय भी पारित किया जा सकता है। स्थायी लोक अदालत का निर्णय संबंधित पक्षों पर बाध्यकारी होता है। श्रीमती सुषमा लकड़ा, अध्यक्ष, स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएं), दुर्ग ने कहा कि सदस्यों की नियुक्ति से न केवल संस्थान की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि आमजन में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास भी और अधिक सुदृढ़ होगा।

भिलाई को हरा-भरा बनाने पौधारोपण अभियान जारी

सेक्टर-04 उद्यान में लगाए गए पौधे

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने, पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जोन-5 क्षेत्रांतर्गत सेक्टर-04 स्थित सड़क क्रमांक 25 एवं 26 के मध्य उद्यान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जोन आयुक्त अजय गौर के नेतृत्व में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद ईश्वरी नेताम, पूर्व पार्षद रिंकू साहू, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, पर्यावरण मित्र मंडल से बालूराम वर्मा एवं अन्य संस्था के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उद्यान अधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने एवं आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। निगम द्वारा आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में वृहद पौधारोपण अभियान जारी रखा जाएगा, जिससे भिलाई को हरित एवं स्वच्छ शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज

कलेक्टर ने आयुक्त के साथ खालसा पब्लिक स्कूल का किया निरीक्षण

योग संगम' एवं 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' थीम पर होगा खालसा स्कूल में आयोजन

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। आगामी 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन मालवीय नगर चौक स्थित खालसा पब्लिक स्कूल में किया जाएगा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की थीम 'योग संगम' एवं 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' रखी गई है। कार्यक्रम प्रात: 7 बजे से 7:45 बजे तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने हेतु कलेक्टर अभिजीत सिंह ने नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता मो. सलीम सिद्दीकी,जिला आयुष अधिकारी डॉ दिनेश चंद्रवंशी,प्रफुल्ल गुप्ता,सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, मोहित मरकाम,अपर्णा मिश्रा,दुर्गेश गुप्ता सहित अधिकारी मौजूद रहे।

सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोजन की सफलता एवं सुचारू संचालन के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी व्यवस्थाएं समयपूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, टेंट, दरी, गद्दे, बैठक व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वर्षा ऋतु को देखते हुए मैदान के साथ-साथ भवन के भीतर भी पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसी भी परिस्थिति में कार्यक्रम प्रभावित न हो।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योग दिवस में शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभागियों के लिए पौष्टिक स्वल्पाहार (नाश्ता) तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर योग दिवस के इस गरिमामय आयोजन को सफल, व्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराएं।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने खालसा स्कूल परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं बेहतर हों। उन्होंने कहा कि योगाभ्यास के लिए आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हॉल के अंदर एवं बाहर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बैठक व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाओं को समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, चिकित्सा सहायता एवं यातायात प्रबंधन की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा, ताकि योग दिवस का आयोजन सफल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कलेक्टर ने सभी अधिकारी/कर्मचारीयो को सुबह 7 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुचने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार है और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह आयोजन जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

बिजली को सेवा नहीं, कमाई का साधन बना चुकी है भाजपा सरकार : अनीस खान

ढाई साल में 5 बार बिजली महंगी,

कंपनियों के लिए स्मार्ट मीटर बने स्मार्ट पेटीएम

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान ने छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा पुन: बिजली दरों में वृद्धि किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि यह निर्णय आम जनता, किसानों, छोटे व्यापारियों और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाला है। आज जनता महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और आर्थिक संकट से जूझ रही है, ऐसे समय में बिजली महंगी करना जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। अनीस खान ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख विद्युत उत्पादक राज्यों में शामिल है। बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक कोयला, जल संसाधन, भूमि और उत्पादन की आधारभूत संरचनाएं प्रदेश में उपलब्ध हैं तथा बिजली का उत्पादन भी यहीं हो रहा है। ऐसे में भाजपा सरकार को जनता को बताना चाहिए कि आखिर बार-बार बिजली दर बढ़ाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? जब संसाधन भी हमारे हैं, उत्पादन भी हमारा है और व्यवस्था भी स्थापित है, तो उसका लाभ जनता को सस्ती बिजली के रूप में मिलना चाहिए, न कि लगातार बढ़े हुए बिजली बिल के रूप में। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा सरकार ने अब जनता की मूलभूत आवश्यकता बिजली को भी कमाई और मुनाफाखोरी का माध्यम बना लिया है? संविधान की भावना एक लोककल्याणकारी सरकार की है, लेकिन भाजपा सरकार के फैसले लगातार जनविरोधी साबित हो रहे हैं। अनीस खान ने कहा कि कांग्रेस सरकार और भाजपा सरकार के कार्यकाल की तुलना स्वयं भाजपा की असलियत उजागर कर देती है। कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने अपने पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल में केवल एक बार नाममात्र की बिजली दर वृद्धि की थी, जबकि भाजपा सरकार ने अपने मात्र ढाई वर्षों के कार्यकाल में 5 बार बिजली दरों में वृद्धि कर दी है। कांग्रेस सरकार ने हाफ बिजली बिल योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को राहत दी थी, जबकि भाजपा सरकार राहत देने के बजाय लगातार जनता की जेब पर बोझ बढ़ा रही है।

बीएसपी प्लांट से संगठित रूप से लौह स्क्रैप चोरी करने वाले 02 अन्य आरोपी गिरफ्तार

प्रकरण में कुल 12 आरोपियों की गिरफ्तारी

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम अकलोरडीह खदानपारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, प्लॉट क्रमांक 18, एच.आई.ए. हथखोज भिलाई में पुलिस टीम द्वारा जांच की गई। मौके पर विभिन्न हाईवा, ट्रक एवं अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम एवं कटिंग सामग्री भरी हुई पाई गई। साथ ही बड़ी मात्रा में लौह स्क्रैप अलग-अलग ढेरों में संग्रहित पाया गया।

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा संगठित रूप से भिलाई स्टील प्लांट से फ्लू डस्ट परिवहन के दौरान बीएसपी के लौह स्क्रैप की चोरी कर उसे उक्त स्थान पर एकत्रित किया जा रहा था। मौके से लगभग 250 टन वजनी लौह प्लेट, बीम कटिंग तथा अन्य सामग्री जप्त की गई। इसके अतिरिक्त स्क्रैप परिवहन एवं लोडिंग में प्रयुक्त वाहन, जेसीबी, हाईड्रा एवं अन्य मशीनरी भी जप्त की गई।

विवेचना के दौरान आरोपी आकाश कुमार सिंह एवं अमित शर्मा उर्फ कैलाश शर्मा की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया। प्रकरण में अब तक कुल 12 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

आम की खेती से बदली किसानों की तस्वीर, आधुनिक तकनीकों से मिल रही नई पहचान

मेहनत, नई सोच और आधुनिक कृषि पद्धतियों से खेती बन रही आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। ग्रामीण क्षेत्रों में आज आम की खेती किसानों के लिए आय और रोजगार का एक मजबूत माध्यम बनती जा रही है। आधुनिक तकनीकों और नई कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान न केवल उत्पादन बढ़ा रहे हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ कृषि महाविद्यालय की बीएससी अंतिम वर्ष की छात्रा रिया शर्मा ने कृषि पत्रकारिता एवं व्यवहार कौशल विषय के अंतर्गत अमलेश्वर-पाटन क्षेत्र के प्रगतिशील किसान राजेश कुमार शर्मा का साक्षात्कार लिया। इस दौरान किसान ने आम की आधुनिक खेती, उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों और खेती से मिलने वाले रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि शुरुआत में खेती के दौरान कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन मेहनत, उचित प्रशिक्षण और नई तकनीकों की मदद से उन्होंने आम की खेती को सफल व्यवसाय में बदल दिया। वर्तमान में उनके बगीचे में आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन किया जा रहा है, जिनकी मांग स्थानीय बाजारों के साथ-साथ अन्य जिलों में भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आम की खेती केवल फलों के उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े पैकिंग, ग्रेडिंग और विपणन जैसे कार्यों से भी ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उनका मानना है कि यदि किसान आधुनिक तकनीकों और सही जानकारी के साथ खेती करें, तो कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है।

नई तकनीकों से मिली नई उड़ान

साक्षात्कार के दौरान राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि ड्रिप सिंचाई, जैविक खाद और समय-समय पर पौधों की देखभाल से उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। वे लगातार कृषि विभाग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त करते रहते हैं।

युवाओं के लिए बन रही प्रेरणा

राजेश कुमार शर्मा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि कृषि केवल पारंपरिक कार्य नहीं, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवा यदि नई सोच और तकनीक के साथ खेती को अपनाएँ, तो वे अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

50 लाख की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर पार्किंग स्थल में पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का भूमिपूजन

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के प्रमुख प्रशासनिक केंद्र कलेक्ट्रेट परिसर की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए वार्ड क्रमांक 38 स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के पार्किंग स्थल में 50 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आयुक्त सुमित अग्रवाल, निगम सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर तथा वार्ड पार्षद रामचंद सेन की उपस्थिति में विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमिपूजन उपरांत महापौर, कलेक्टर एवं आयुक्त ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर प्रस्तावित कार्यों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए पहुंचते हैं। पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य पूर्ण होने से पार्किंग व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित होगी तथा नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ऐसे आधारभूत विकास कार्य आवश्यक हैं। कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, कार्यपालन अभियंता मो. सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता मोहित मरकाम, संभव जैन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई चेम्बर का दल व्यापार,स्वावलंबन व आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य के साथ कश्मीर रवाना

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा के नेतृत्व में 18 जून को कश्मीर की यात्रा पर रवाना हुआ। यह यात्रा व्यापार, पर्यटन और स्वावलंबन के माध्यम से स्थानीय परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य केवल पर्यटन तक सीमित न होकर सामाजिक एवं आर्थिक सहयोग के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

यात्रा का प्रमुख उद्देश्य कश्मीर के हिन्दू परिवारों को व्यापार वृद्धि में सहयोग प्रदान करना तथा वहां के किसानों को उनकी उपज के लिए व्यापक एवं उचित व्यापारिक क्षेत्र उपलब्ध कराने की संभावनाओं का अध्ययन करना है।

प्रतिनिधिमंडल गुलमर्ग एवं अन्य प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के अतिरिक्त कश्मीर के ऐसे नए पर्यटन स्थलों को भी चिन्हित करेगा, जहां पर्यटकों को आकर्षित कर स्थानीय हिन्दू परिवारों की आजीविका और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके।

इसके साथ ही कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वावलंबन केंद्रों के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोग देने तथा वहां के नागरिकों को स्वरोजगार एवं स्वावलंबन की दिशा में प्रोत्साहित करने के विभिन्न आयामों पर भी विचार किया जाएगा।

महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि व्यापार, पर्यटन और स्वावलंबन के माध्यम से कश्मीर के स्थानीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में सार्थक योगदान करना ही हमारा उद्देश्य है।

इसी भावना के साथ 19 सदस्यीय दल इस महत्वपूर्ण यात्रा पर प्रस्थान किया। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयोजक श्री दीप भारत जी ने इस दल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा पर्यटन नही बल्कि एक उद्देश्य पूर्ण यात्रा होगी। दल को शुभकामनाओ के साथ विदाई देने उद्योग चेम्बर के अध्यक्ष जेपी गुप्ता,भिलाई चेम्बर के चेयरमैन दिनकर बसोतिया, महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे,चेम्बर सलाहकार कन्हैया सोनी,गीता वर्मा,सरोजनी पाणिग्रही,अखराज ओस्तवाल,ओमप्रकाश शर्मा,भूषण अदलखा,शंकर सचदेव ,टीना सातपुते,रितेश अग्रवाल,महेश बंसल व अनेक चेम्बर के पदाधिकारि उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

जो थी कभीं, गेमचेंजर योजना., उस पर चल रही कैंची..पात्र-अपात्र की!

नियमों की पेंचीदगी ..हजारों महिलाएं हो जाएंगी लाभ से वंचित। वंदन योजना में अब ई केवाईसी कराने कुछ दिन ही शेष। सैकड़ों महिलाएं ऐसी भी, जिन्होंने कराया है, ई केवाईसी.. फिर भी खाते में नहीं आए रुपए।

महतारी वंदन योजना

- 10 हजार से ज्यादा ई-केवाईसी पेंडिंग।
- किस्त राशि रुकने की संभावना

लोकमाया न्यूज।

धमतरी (सुनील शर्मा)। महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों को 30 जून तक ई-केवाईसी कराना है। महिला एवं बाल विकास विभाग के मुताबिक निर्धारित समय सीमा तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर लाभार्थी की आईडी निष्क्रिय हो सकती है। ऐसे में योजना की अगली किस्त पर प्रभाव पड़ सकता है। अभी सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है।अंतिम चरण पर है।जिले में 5 मार्च 2024 से योजना शुरू हुई।योजना के तहत 2,37,184 हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया जाना है। अब तक 2,27,031 महिलाओं का सत्यापन पूरा हो चुका है।जबकि 10,153 हितग्राहियों का ई-केवाईसी होना शेष है। वहीं 3,839 ऐसे हितग्राही हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इनके नाम लाभार्थियों की लिस्ट से हटा भी दिए गए हैं।।

गौरतलब है कि पात्र हितग्राहियों के सत्यापन अभियान में सबसे बड़ी चुनौती बुजुर्ग महिलाओं के बायोमेट्रिक सत्यापन में आ रही है। उम्रदराज़ होने के कारण कई महिलाओं के फिंगरप्रिंट मशीन में मैच नहीं हो रहे हैं।जिससे उनका ई-केवाईसी पूरा कर पाना मुश्किल हो रहा है। बुजुर्ग रामकुंवर, गोदावरी, बिसाहिन, रेवती, कौशिल्या आदि ने बताया कि उंगलियों वी आयरिस से भी ई-केवायसी नहीं हो पाई। ऐसी बुजुर्ग महिलाएं विभाग -निगम व च्वाइस सेंटरों के चक्कर काटने मजबूर हैं। बताया गया है जिले में ऐसी सैकड़ों बुजुर्ग महिला हैं, जिन्हें इस तरह की दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है।

..तो रुक जाएगी किस्त

महतारी वंदन योजना के तहत हजारों महिलाओं का ई-केवाईसी अब भी लंबित है, जिससे तय समय सीमा के बाद उनकी किस्त रुकने की आशंका है। खासकर बुजुर्ग महिलाओं के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, क्योंकि फिंगरप्रिंट

और आईरिस स्कैन कई मामलों में मैच नहीं हो पा रहे हैं। विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था पर काम किया जा रहा है, लेकिन समय रहते प्रक्रिया पूरी न होने पर बड़ी संख्या में हितग्राही योजना के लाभ से वंचित हो सकते हैं।

नव वधुओं की आशा .. हमें भी मिले हक़

बहरहाल सरकारें ! अपनी जनता के लिए कई तरह की योजनाएं चलाती हैं. इनमें कुछ योजनाएं खास तौर पर महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए हैं। ताकि समाज में उनकी हिस्सेदारी बढ़ सके। ऐसी ही एक योजना है छग सरकार की महतारी वंदन योजना.. इस योजना में विवाहित महिलाओं को हर महीने 1000 रु की आर्थिक मदद दी उपलब्ध कराई जा रही है।यानी साल भर में 12000 रु दिए जाते हैं।लोगों की उम्र तो बढ़ ही रही है। जो 55-60के थे वे और बुजुर्ग हो गए..जब महतारी वंदन योजना लागू हुई उस समय जो सोलह के थे वो अट्ठारह साल के हो गए। कईयों की शादी हो गई।अब ऐसी कई नव वधुएं हैं, जो सरकार की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहीं., ताकि वे भी बन सकें (लाभार्थी)वंदन के चंदन की ..हक़दार।

जिले में ब्लॉक वार ई-केवायसी की जानकारी

सेक्टर	हितग्राही	ई-केवायसी पूर्ण	लंबित
धमतरी ग्रामीण	57154	53941	3213
धमतरी शहरी	20041	18160	1881
कुरुद	67801	66005	1796
मगरलोड	37318	35262	2056
नगरी	48857	47290	1567
कुल	231171	12658	10513

क्या कहते हैं, जिम्मेदार

महिला एवं बाल विकास विभाग के मुताबिक, जिन बुजुर्ग महिलाओं का बायोमेट्रिक सत्यापन तकनीकी कारणों से नहीं हो पा रहा।उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पडने पर घर-घर जाकर भी ई-केवाईसी कराने का प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में सरकार को अवगत कराया गया है। मार्गदर्शन के लिए पत्र भी भेजा गया है।

नियम की आड़ में ,पात्र-अपात्र का खेल - कांग्रेस

इधर महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का नाम केवाईसी के बहाने पात्रता सूची से काटने का आरोप कांग्रेस ने लगाया है।कहा विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा नेताओं ने कहा था, बिना भेदभाव के सभी विवाहित महिलाओं को एक-एक हजार रु महतारी वंदन योजना में दिए जाएंगे। सरकार ने यहां तक कहा था कि हर विवाहित महिला को योजना का लाभ देंगे।चाहे वह सीएम, मंत्री -कलेक्टर या ग़रीब की पत्नी हो।लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा मुकर रही।दोहरा चरित्र सामने है।महिला बाल विकास मंत्री ने योजना के लाभार्थियों के लिए नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। फ़िलहाल बड़ी संख्या में हितग्राहियों के खाते में 2-3 महीने से राशि नही आई। केवाईसी अपडेट कराने कहा जा रहा। इधर सैकड़ों महिलाएं ऐसी भी हैं, जिन्होंने केवाईसी कराया फिर भी खाते में रु नहीं आए।कांग्रेस का आरोप है, महिलाओं का वोट बटोरने सभी हितग्राहियों को वंदन का लाभ दिया।अब, चुनाव खत्म.. सरकार बन गई ..तो नए नियमों के बहाने पात्र-अपात्र का खेल चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

परामर्शदाता पद के लिए शैक्षणिक योग्यता में संशोधन, अन्य नियम, शर्तें एवं तिथियां यथावत

महासमुंद। महिला एवं बाल विकास विभाग महासमुंद द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई एवं शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह महासमुंद में परामर्शदाता के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए जारी विज्ञापन क्रमांक 184, दिनांक 16 जून 2026 में शैक्षणिक योग्यता संबंधी संशोधन जारी किया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री टिक्केंद्र जटवार ने बताया कि परामर्शदाता पद के लिए अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता में अब किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से समाज कार्य, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, सार्वजनिक स्वास्थ्य अथवा परामर्श में स्नातक या काउंसलिंग एवं कम्युनिकेशन में पीजी डिप्लोमा निर्धारित किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री जटवार ने बताया कि विज्ञापन में उल्लिखित अन्य सभी नियम, शर्तें एवं आवेदन संबंधी तिथियां पूर्ववत यथावत रहेगी। इनमें किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी संशोधित शैक्षणिक योग्यता के अनुसार निर्धारित अवधि में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

जनकल्याण शिविर आज

धमतरी। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर विंध्यवासिनी वार्ड के सामुदायिक भवन में 20 जून को विश्वास के, विकास के, जनकल्याण विषय पर विशेष जनकल्याणकारी शिविर होगा। शिविर में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, अलग-अलग पेंशन योजनाएं, अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। नागरिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा भी रहेगी। आयोजन का उद्देश्य योजनाओं के जरिए समाज के हर वर्ग तक लाभ पहुंचाना है।

महतारी वंदन योजनाः 30 जून तक ई-केवाईसी कराने की अपील

महासमुंद। महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार योजना के सभी हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य 30 जून 2026 तक पूर्ण किया जाना है।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री टिक्केंद्र जटवार ने बताया कि जिले में महतारी वंदन योजना के कुल 3 लाख 18 हजार 576 हितग्राही हैं, जिनमें से 2 लाख 92 हजार 97 हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है तथा 26 हजार 479 हितग्राहियों का ई-केवाईसी अभी शेष है।

चला बुलडोजर..,हटाया कब्जा.. ढहाए मकान

लोकमाया न्यूज।

धमतरी। प्रशासन ने दो अलग-अलग स्थानों पर अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नेशनल हाईवे (हृ॥) की अधिग्रहित भूमि और शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।यह कार्रवाई ग्राम मुजगहन में की गई, जहां एक मकान और बाउंड्री वॉल को तोड़ा गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान कुछ कब्जाधारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीम के साथ नोकझोंक भी की। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बुलडोजर की ओर जाने से रोक दिया।कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित एक संयुक्त टीम मौजूद रही। शांतिपूर्ण ढंग से अभियान को अंजाम दिया।

केस 1- नायब तहसीलदार दुर्गेश तंवर ने बताया कि ग्राम मुजगहन में ग्राम पंचायत सरपंच ने एक आवेदन दिया था। इसमें वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास

शासकीय भूमि पर चार-पांच लोगों द्वारा छोटे मकान बनाकर अतिक्रमण करने की शिकायत की गई थी।नोटिस दिए जाने के बाद चार-पांच कब्जाधारियों ने अपना कब्जा हटा लिया था, लेकिन एक व्यक्ति ने ऐसा नहीं किया था। इसके बाद कार्रवाई की गई।

केस 2 -

नेशनल हाईवे द्वारा अधिग्रहित भूमि पर की गई। इस भूमि के अनावेदक को पहले ही मुआवजा मिल चुका था और भूमि का अधिग्रहण हो चुका था। इसके बावजूद, उन्होंने वहां बाउंड्री वॉल बनाकर फिर से कब्जा कर लिया था।राजस्व न्यायालय में प्रकरण चला था और उन्हें स्वत: कब्जा हटाने के लिए नोटिस भी दिया गया था, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद, राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन और पंचायत की संयुक्त टीम ने आज इन दोनों स्थानों से अवैध कब्जों को हटा दिया।

जल जीवन मिशन से बदली पंडरवाही की तस्वीर, हर घर तक पहुंचा स्वच्छ पेयजल

लोकमाया न्यूज।

धमतरी। कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करने वाला नगरी विकासखंड का पंडरवाही ग्राम आज जल जीवन मिशन की बदौलत खुशहाली की नई इबारत लिख रहा है। अंगीरा ऋषि पर्वत की सुंदर वादियों और महानदी की सहायक बालका नदी के बीच बसे इस छोटे से गांव में अब हर घर के आंगन तक स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। इससे न केवल ग्रामीणों की दैनिक परेशानियां दूर हुई हैं, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आया है।

94 परिवारों वाले पंडरवाही गांव में वर्षों तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती थी। प्राकृतिक जल स्रोतों की मौजूदगी के बावजूद ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज के कुओं से पानी लाने के लिए घंटों मेहनत करनी पड़ती थी। गर्मी के दिनों में यह समस्या और गंभीर हो जाती थी।

बाद में सौर ऊर्जा आधारित जल योजना शुरू की गई, लेकिन वह सभी परिवारों की जरूरतों को पूरी तरह पूरा नहीं कर सकी।

गांव की निवासी सुपेन बाई और सुशीला बाई बताती हैं कि पहले दिन का बड़ा हिस्सा केवल पानी की व्यवस्था में बीत जाता था। पानी लाने के कारण घरेलू कार्य प्रभावित होते थे और बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ता था। लेकिन जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन मिलने के बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। अब उन्हें घर बैठे स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। समय की बचत होने से महिलाएं घरेलू जिम्मेदारियों के साथ आयवर्धक गतिविधियों में भी भाग ले रही हैं, वहीं बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाकर शिक्षा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं।

गांव की जलापूर्ति व्यवस्था के सुचारू संचालन में पंप ऑपरेटर चुमन पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे प्रतिदिन निर्धारित समय पर मोटर पंप का संचालन कर ओवरहेड टैंक भरते हैं और पूरी जानकारी ष्मेरी पंचायतष् ऐप में दर्ज करते हैं। इसके अलावा पाइपलाइन एवं अन्य उपकरणों की नियमित निगरानी और आवश्यक मरम्मत भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने अपना मोबाइल नंबर ग्रामीणों को उपलब्ध कराया है, जिससे किसी भी समस्या की सूचना तुरंत मिल जाती है और उसका त्वरित समाधान किया जाता है। जल जीवन मिशन का प्रभाव केवल पेयजल उपलब्धता तक सीमित नहीं है। गांव में जलजनित बीमारियों में कमी आई है, स्वच्छता का स्तर बेहतर हुआ है।

शिविर ,वरिष्ठ व दिव्यांगजनों को बांटेंगे यंत्र

धमतरी। राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांगजनों को निशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। 24 व 25 जून को चिह्नांकन शिविर लगेगा। इसमें छड़ी, वॉकर, व्हीलचेयर, कान की मशीन, चश्मा, छड़ी-सीट, व्हीलचेयर कमोड सहित, सिलिकॉन फोम तकिया, नी ब्रेस, स्पाइनल सपोर्ट, सर्वाइकल कॉलर, किट शामिल हैं।दिव्यांगजनों को एडिप योजना के तहत कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण भी दिए जाएंगे। इनमें ट्रायसाइकिल, व्हीलचेयर, मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल, बैसाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र, एमआर किट, दृष्टिबाधितों से संबंधित उपकरण शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग के अनुसार 24 जून को जनपद पंचायत नगरी में सुबह 10 बजे से शिविर लगेगा। इसमें जनपद पंचायत नगरी, जनपद पंचायत मगरलोड, नगर पंचायत नगरी और नगर पंचायत मगरलोड के हितग्राही शामिल होंगे। 25 जून को जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र धमतरी में श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय परिसर में शिविर लगेगा।जनपद पंचायत धमतरी, कुरूद, नगर निगम धमतरी, नगर पालिका कुरूद, नगर पंचायत आमदी और नगर पंचायत भखारा के हितग्राही शामिल होंगे।

आज 'पीएम-किसान उत्सव दिवस'

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त होगी जारी

लोकमाया न्यूज।

धमतरी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कल 20 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से योजना की 23वीं किस्त जारी की जाएगी। यह किस्त अप्रैल से जुलाई 2026 की अवधि के लिए पात्र किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार इस अवसर पर 20 जून 2026 को पूरे देश में 'पीएम-किसान उत्सव दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा। इसके तहत राज्य, जिला, विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा किसानों को लाइव वेबकास्ट के माध्यम से मुख्य कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। जिला मुख्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, विकासखण्ड मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों, कृषि मंडियों तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा तथा किसानों को केंद्र सरकार की विभिन्न कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अधिक से अधिक किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उन्हें लाइव वेबकास्ट से जोड़ा जाए, ताकि किसान योजना के लाभ एवं सरकार की कृषि संबंधी पहलों की जानकारी सीधे प्राप्त कर सकें। साथ ही कार्यक्रम के आयोजन एवं की गई कार्यवाही की जानकारी निर्धारित समय में उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिले के समस्त पात्र किसानों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम आयोजन स्थल पर उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लें तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23 वीं किस्त जारी होने के अवसर के साक्षी बनें।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

महासमुंद। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। इस अवसर पर बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, सरायपाली विधायक चातुरीनंद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोंगरा पटेल, जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, नगरीय निकायों के अध्यक्ष, प्रतिनिधि, सदस्य, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टररवि साहू सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सांसद श्रीमती चौधरी ने कहा कि जिले में संचालित हो रहे स्कूलों, कॉलेजों में स्कूला बच्चों के परिवहन हेतु उपयोग में लाए जा रहे वाहनों की नियमित जांच करें, स्कूल बसों में ओवर लोड की शिकायत नहीं आनी चाहिए।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रा.नि.मं. चंदखुरी, तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर

// आम सूचना //

जारी दिनांक 15/06/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक "शीतल डागा पति स्व. मनीष डागा निवासी रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम सेमरिया... प.ह.न. 01 राजस्व निरीक्षक मंडल चंदखुरी तहसील मंदिर हसौद स्थित भूमि खसरा नं हे. 895/1 रकबा क्रमश: 0.11 हे. भूमि का बटांकन / सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार मंदिर हसौद के ज्ञापन क्रमांक/ / वाचक/ तह. / 2026 मंदिर हसौद दिनांक 04/06/2026 के परिपालन में दिनांक 23/06/2026 को समय अपरान्ह 12 बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अत: आवेदक एवं नजदीक के कृषकगण अपने दस्तावेज सहित निर्धारित दिनांक को स्थल पर उपस्थित होवें। उक्त बटांकन/ सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो वे उक्त बटांकन/ सीमांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी हल्का नं 01 के नरदहा.... स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. चंदखुरी,
तहसील मंदिर हसौद

पीएम स्वनिधि योजना से बढ़ा आत्मविश्वास

लोकमाया न्यूज।

महासमुन्द। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना जिले के छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के तहत आसान ऋण सुविधा उपलब्ध होने से हितग्राहियों को अपने व्यवसाय को विस्तार देने, आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। जिले के अनेक लाभार्थी इस योजना का लाभ लेकर अपने कारोबार को नई पहचान दे रहे हैं तथा अपने परिवार के बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

योजना से लाभान्वित हितग्राही महासमुन्द के वार्ड क्रमांक 7 की निवासी श्रीमती राधा औसर बताती हैं कि उन्होंने अंडा विक्रय के छोटे से व्यवसाय से अपनी आजीविका की शुरुआत की थी। सीमित संसाधनों के कारण व्यवसाय का विस्तार करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन पीएम स्वनिधि योजना से प्राप्त ऋण ने

- पीएम स्वनिधि योजना से बदली जिंदगी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े हितग्राही

उनकी राह आसान कर दी। उन्होंने अपने कारोबार को बड़े स्तर पर विकसित किया और बढ़ती आय के साथ साड़ी व्यवसाय भी शुरू कर दिया। आज वे आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं। इसी तरह श्रीमती मंजुला शर्मा ने भी योजना का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे बताती हैं कि योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता ने उन्हें अपने कार्य को व्यवस्थित और विस्तारित करने में मदद की, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई और जीवन स्तर बेहतर हुआ। भलेसर निवासी श्री गोप कुमार तांडे ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने अपने तीन बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए किया। सीमित आय के बावजूद उन्होंने बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता दी और योजना से मिली सहायता ने उनके इस सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज उनके बच्चे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जो परिवार के उज्ज्वल भविष्य की नींव बन रही है। महासमुन्द की दिव्यांग हितग्राही सविता निषाद भी इस योजना से लाभान्वित होने वाली प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। सविता बताती हैं कि पहले वे केवल चूड़ी विक्रय का छोटा व्यवसाय करती थीं, लेकिन पीएम स्वनिधि योजना से प्राप्त सहायता ने उन्हें अपने व्यवसाय को नई दिशा देने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने चूड़ी व्यवसाय के साथ-साथ केक निर्माण एवं विक्रय का कार्य भी शुरू किया। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई और वे आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनीं।

ग्राम पंचायत देवरी

दिनांक 20/06/2026

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत देवरी के आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधीनस्थ निम्नांकित तालाबो को मछलीपालन हेतु 10 वर्षीय पट्टा पर दिया जाना है, जिसका विवरण इस प्रकार है।

तालाब का नाम	खसरा नं.	रकबा (हे.)
मुड़ा/नकटी तालाब	210	2.2090
नया पंचायत तालाब	50	1.7610
खोला तालाब	284, 285	0.7120, 0.3840
तालाब	406	0.5470
रसिया मुड़ा तालाब/बालक बांध/नवा तालाब	65/1	5.3490

इच्छुक पात्र मत्स्य सहकारी समितियां, स्व-सहायता समूह एवं पात्र व्यक्ति आवश्यक दस्तावेजों सहित 10 जुलाई 2026 तक ग्राम पंचायत देवरी में आवेदन जमा कर सकते हैं।

विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें- सचिव, ग्राम पंचायत देवरी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद छत्तीसगढ़

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 07/व.ले.लि./का.अ./ लो.स्वा.यां. / खण्ड 2026 गरियाबंद, दिनाँक 17-06-2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि
1	गरियाबंद जिले के विकासखण्ड फिंगेश्वर के ग्राम बोरसी के अंतर्गत कोपरा-पोखरा मुख्य जिला मार्ग चौडीकरण उन्नयन कार्य में 90mm dia UPVC 6kg/cm² लंबाई 3000 मीटर व 90mm dia UPVC 10kg/cm² लंबाई 150 मीटर प्रदाय कर जोड़ने, बिछाने, इन्टरकनेक्शन, परीक्षण कर चालू करने तथा अन्य सिविल कार्य। शेड्यूल अनुसार	14.87 लाख	11153/-

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में दिनांक 06-07-2026 तक देखी जा सकती हैं।

जी- 262701577/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
गरियाबंद (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

जगदलपुर में जिला टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर एआर राणा की उपस्थिति में शुक्रवार को कलेक्टोरेट के आस्था हॉल में जिला टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के जिला नोडल अधिकारियों ने उपस्थित होकर अपने-अपने विभागों के प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए, जिसके बाद प्रशासन द्वारा तंबाकू नियंत्रण और नशा मुक्ति को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में युवाओं और छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने तथा तंबाकू नियंत्रण अधिनियम (कोटपा) को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे तंबाकू नियंत्रण को लेकर हर सप्ताह नियमित रूप से चालानी कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगाम कसी जा सके। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के माहौल को सुरक्षित बनाने के लिए शिक्षा विभाग के जिला नोडल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर निगम क्षेत्र के सभी विद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में अनिवार्य रूप से रेड जोन लाइन का निर्माण करवाएं। प्रशासन ने सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के सभी विभागों को आगामी 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस व्यापक स्तर पर मनाने और इसके तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए हैं। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में डीएसपी सुशांता लकड़ा तथा नारकोटिक्स विभाग से श्रीनिवास वर्मा सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी और नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

कोंड़ागांव के हुक्का बेड़ा पथरी में रोका गया बाल विवाह

कोंड़ागांव। जिले के माकड़ी विकासखंड अंतर्गत ग्राम हुक्का पथरी में तय बाल विवाह होने की विभागीय सूचना प्राप्त होने पर जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग एवं चाईल्ड लाईन की संयुक्त दल द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश महोदया के निर्देशानुसार नरेन्द्र सोनी जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विवाह रोकने की कार्यवाही की गई। बाल बिवाह रोकने हेतु निर्मल मंडावी, प्रधान आरक्षक 112 थाना माकड़ी, सौरभ तिवारी परिवीक्षा अधिकारी, जयदीप नाथ संरक्षण अधिकारी, इंदु वैद्य आउटरीच वर्कर एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी एवं पर्यवेक्षक बेला रानी विश्वास, ग्राम पंचायत सचिव समता मरकाम चाईल्ड लाईन टीम से कैलाश वैद्य तथा ग्राम पंचायत सरपंच,पंचगण ग्रामीण उपस्थित थे। ग्राम पंचायत हुक्का बेड़ा पथरी विकासखण्ड माकड़ी में नाबालिग वर रमेश (परिवर्तित नाम) पिता कीर्ति लाल (परिवर्तित नाम) उम्र 20 वर्ष 10 माह निवासी हुक्का बेड़ा पथरी का विवाह बालिग खेमेश्वरी (परिवर्तित नाम) पिता रामेश्वर (परिवर्तित नाम) उम्र 18 वर्ष 8 माह निवासी- केरावाही जिला कोंडागांव (छग) के साथ किया जाना था। सूचना मिलने पर 112 माकड़ी, परिवीक्षा अधिकारियों, बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी पर्यवेक्षक एवं सचिव का संयुक्त दल द्वारा विवाह स्थल पहुंचकर वर-वधु के दस्तावेज अंकसूची का अवलोकन किया गया, जिसमें वर का जन्मतिथि 16.08.2005 एवं वधु की जन्मतिथि 30.09.2007 अंकित है। भारतीय कानून एवं शासन के नियमानुसार बालक की आयु विवाह हेतु निर्धारित आयु से कम पायी गई। दोनों पक्षों के उपस्थित सदस्यों को विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, दण्ड के प्रावधान, बाल विवाह के दुष्परिणाम से अवगत कराते हुए विवाह न करने की समझाईस दिया गया। परिवार द्वारा निर्धारित आयु पूरी होने पर विवाह किये जाने हेतु सहमत हुए। जांच दल द्वारा सरपंच ग्राम पंचायत, वार्ड पंच, परिजनों, ग्रामीणों, बुजुर्गों एवं प्रशासन के समक्ष पंचनामा तैयार किया गया। दल द्वारा वर-वधु व दोनों पक्ष को समझाईश देकर बाल विवाह को रोका गया।

नीट परीक्षा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रहेगा प्रतिबंध

कोंडागांव। कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी नूपुर राशि पन्ना द्वारा नीट परीक्षा के दौरान कोलाहल एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। जारी आदेशानुसार 20 जून 2026 एवं 21 जून 2026 को नीट परीक्षा कोण्डागांव नगर के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल जामकोटपारा एवं शासकीय बाल उच्चत्तर माध्यमिक शाला अस्पताल वार्ड कोण्डागांव में आयोजित है। विद्यार्थियों/परीक्षार्थियों के परीक्षा में व्यवधान उत्पन्न न हो, इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 5 (2) एवं धारा 10 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोण्डागांव नगर के जामकोटपारा वार्ड एवं अस्पताल वार्ड कोण्डागांव में दिनांक 20.06.2026 से 21.06.2026 तक अधिनियम की धारा 2 क ख ग के अंतर्गत परिभाषित कोलाहल एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। उक्त आदेश का उल्लंघन अधिनियम की धारा 15 के अधीन दण्डनीय होगा।

नाले में डूबने से दो मासूम चचेरे भाइयों की मौत, गांव में पसरा मातम

कोंडागांव। जिले के फरसगांव ब्लॉक अंतगज़्त ग्राम कोटपाड में एक हृदयविदारक हादसे में दो मासूम चचेरे भाइयों की नाले में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के 52 अधूरे मकानों पर सख्ती, सितंबर से पहले निर्माण पूरा करने का निर्देश

3-4 वर्षों से लंबित आवासों का निरीक्षण, 14 मामलों में वसूली और कानूनी कार्रवाई की तैयारी

लोकमाया न्यूज ।

बचेली। नगर पालिका परिषद बड़े बचेली द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) 1.0 के अंतर्गत वर्षों से अधूरे पड़े आवासों को लेकर सख्ती बरती जा रही है। निकाय क्षेत्र में ऐसे 52 आवास चिन्हित किए गए हैं, जिनके लिए हितग्राहियों को भुगतान किया जा चुका है, लेकिन आज तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो सका है। नगर पालिका की टीम ने इन सभी आवासों का निरीक्षण कर हितग्राहियों को अंतिम सूचना जारी करते हुए सितंबर माह से पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान निर्माण में आ रही समस्याओं को भी समझा गया तथा उनके समाधान के प्रयास किए गए। नगर पालिका द्वारा बताया गया कि 52 लंबित आवासों में से 14 मामलों को वसूली एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए एसडीएम कार्यालय भेजा गया है। वहीं अधिकांश हितग्राहियों ने अगस्त माह के अंत तक अपने मकानों का निर्माण कार्य पूरा करने की सहमति प्रदान की है। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी पी.टी.एम. कृष्णा राव, उप अभियंता संतोष नेगी, आवास सर्वेयर विश्वजीत मलिक तथा टाइमकीपर महेश बघेल उपस्थित रहे। नगर पालिका के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुल 440 आवास स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 388 आवास पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 52 आवास अभी निर्माणाधीन हैं। शासन द्वारा सभी शेष आवासों को सितंबर माह से पूर्व पूर्ण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए नगर पालिका लगातार निगरानी और निरीक्षण कर रही है। नगर पालिका प्रशासन ने हितग्राहियों से समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने की अपील की है, ताकि योजना का लाभ पूरी तरह से मिल सके।

पीएटी और पीवीपीटी प्रवेश परीक्षा हेतु तैयारी पूरी

जिले के चार परीक्षा केंद्रों में होगी प्रवेश परीक्षा

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापमं) द्वारा आयोजित की जाने वाली प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (पीएटी) और प्री-वेटेरिनरी पॉलिटेक्निक टेस्ट (पीवीपीटी) प्रवेश परीक्षा रविवार 28 जून को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 01. 15 बजे तक निर्धारित किया गया है, जिसके सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है। उक्त परीक्षा हेतु जगदलपुर शहर में कुल चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर कॉलेज धरमपुरा झाड़ा सिरहा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय धरमपुरा, शासकीय दन्तेश्वरी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय शांति नगर और शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल शामिल हैं। इन सभी परीक्षा केंद्रों पर कुल 933 परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

इस परीक्षा में सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने के निर्धारित समय से ठीक ढाई घंटे पहले अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना अनिवार्य होगा, जहां मुख्य द्वार पर ही मेटल डिटेक्टर के माध्यम से सभी की सघन जांच की जाएगी। इसके बाद वहां तैनात वीक्षकों द्वारा परीक्षार्थियों के मूल प्रवेश पत्र और उनके साथ लाए गए किसी भी एक वैध पहचान पत्र के सत्यापन की कार्रवाई की जाएगी। नियमों के तहत परीक्षार्थियों को इंटरनेट से निकाला हुआ साफ-सुथरा मूल प्रवेश पत्र लाना जरूरी है और यदि किसी छात्र के प्रवेश पत्र में फोटो स्पष्ट नहीं है, तो उन्हें अपने साथ वर्तमान समय की दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लाने के निर्देश दिए गए हैं।

परीक्षा हेतु जारी गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा हॉल के भीतर अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष ड्रेस कोड और प्रतिबंध तय किए गए हैं। परीक्षार्थियों को हल्के रंग की हाफ टी-शर्ट और हल्के कपड़े पहनकर आना होगा, साथ ही पैरों में केवल चप्पल पहनने की अनुमति होगी क्योंकि परीक्षा केंद्र के भीतर जूता-मोजा पहनकर जाना पूरी तरह से वर्जित किया गया है। इसके अलावा कान में किसी भी प्रकार के आभूषण, जैसे बाली या झुमका आदि पहनने पर सख्त रोक रहेगी. परीक्षा कक्ष में घड़ी, पर्स, मोबाइल, बेल्ट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, संचार के साधन, स्कार्फ, टोपी और चश्मा जैसी सामग्रियां ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए नोडल अधिकारी के रूप में डिप्टी कलेक्टर श्री मनीष कुमार वर्मा (मो. 9406349496) को जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहीं डॉ. अनिल श्रीवास्तव को समन्वयक और डॉ. अजय सिंह ठाकुर को सहायक समन्वयक नियुक्त किया गया है।

विश्व सिकल सेल दिवस पर बकावंड में व्यापक स्वास्थ्य एवं जागरूकता अभियान

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बकावंड के अंतर्गत बकावंड, मंगनार एवं मालगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में विशेष स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस पहल में 300 से अधिक मरीजों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य सिकल सेल रोग (स्द्धष्य्द्यद्द ष्टद्दद्यद्य ष्ठद्बह्यद्गड्डह्यद्ग - स्ष्ठ) के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच को प्रोत्साहित करना तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सहायता प्रदान करना था। इस दौरान सभी संदिग्ध लाभार्थियों की सिकल सेल रोग की रैपिड जांच एवं हीमोग्लोबिन (॥ड्ढ) जांच की गई, जिससे रोग की शीघ्र पहचान एवं उचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ प्रतिभागियों को पोषण किट भी वितरित की गईं, ताकि सिकल सेल रोग से प्रभावित व्यक्तियों के बेहतर पोषण एवं समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा सके। विशेषज्ञों द्वारा संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा रोग प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जागरूकता सत्रों में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सिकल सेल रोग की रोकथाम, समय पर जांच और निरंतर चिकित्सकीय निगरानी के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में ध्यान (मेडिटेशन) की भूमिका पर भी विशेष परामर्श दिया गया।

यह कार्यक्रम स्न्श्वक्क्र स्ष्ठद्दह्ल4 द्वारा सीएचसी बकावंड के समन्वय से आयोजित किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम न केवल रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि प्रभावित परिवारों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं एवं परामर्श से जोड़ने का भी प्रभावी माध्यम हैं।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आयोजित यह पहल समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने तथा सिकल सेल रोग के प्रभावी नियंत्रण एवं प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

बड़े देवड़ा में बाबा भैरव जात्रा के आयोजन में कुमार जयदेव हुए शामिल

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बड़े देवड़ा में बाबा भैरव जात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें आस-पास गांव के ग्रमीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस आयोजन में ग्रामीणों के आमंत्रण पर सुकमा जमींदार परिवार के कुमार जयदेव विशेष रूप से सम्मिलित हुए और बाबा भैरव ,सहित मावली माता की पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की। बड़े देवड़ा के सरपंच सुमित्रा कश्यप ने बताया कि बड़े देवड़ा में भैरव बाबा का प्रसिद्ध मंदिर है, जिसमें आज शुक्रवार को जात्रा का आयोजन किया गया था , जिसमें सुकमा जमींदार परिवार के कुमार जयदेव को शामिल होने विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उन्होने कहा कुमार जयदेव सहित अन्य लोग इस जात्रा में शामिल हुए यह गांव के लिए गौरव की बात है।

कुमार जयदेव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को शिक्षित बनाए सामाजिक कुरीतियां नशापान से गांव के युवाओं को दूर रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा आदर्श ग्राम पंचायत का निर्माण करें सभी जाति धर्म में एकता प्रेम समभाव बनाए रखें। उन्होने देवी-देवताओं की परंपरा अनुसार पूजा पाठ एवं बस्तर की संस्कृति को बनाये रखने पर जोर देते कहा की यह हमारी आपकी सबकी जिम्मेदारी है।

इस दौरान सुकमा जमीदार परिवार के कुमार जयदेव सहित सिंकदर सिंह, मुरली सिह, योगेश सिंह, मां दन्तेश्वरी मंदिर के पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी, मावली पुजारी अनिल ठाकुर, पढयार,माड़पाल के पुजारी,अरुणा चौहान, मंजु ठाकुर, किरण ठाकुर, भारती ठाकुर, यशोदा ठाकुर, एम डी राठौर, पीताम्बर सिह, मुकुंद सिंह मधुशंकर सेठिया, रणधीर सिंह बिभुती मिश्रा विवेक जैन कौशल्या साहू राजू साहू, दलपती, प्रकाश रावल, मनोज जंगम, राकेश दास एवं तहसीलदार रूपेश मरकाम, पुलिस प्रशासन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन शुरू

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह छात्रवृत्ति कक्षा 12वीं से उच्चतर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों के लिए है, जिसके पंजीयन, स्वीकृति और वितरण की तमाम कार्रवाई विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जा रही है। इस संबंध में बस्तर जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग कॉलेजों के साथ-साथ आईटीआई और पॉलिटेक्निक आदि के प्राचार्यों, संस्था प्रमुखों और छात्रवृत्ति प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं ताकि कोई भी पात्र छात्र इस लाभ से वंचित न रहे।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूर्ण के लिए विस्तृत समय-सारणी निर्धारित की गई है, जिसके तहत छात्रवृत्ति आवेदनों के नवीनीकरण का पोर्टल 20 जून से खोल दिया जाएगा। वहीं जो विद्यार्थी पहली बार नवीन आवेदन करना चाहते हैं, उनके लिए पोर्टल आगामी 01 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। प्राप्त होने वाले सभी नवीन और नवीनीकरण आवेदनों का परीक्षण और स्वीकृति संबंधी समस्त कार्यवाहियाँ समय-सीमा के भीतर ही पूर्ण कर ली जाएँगी, ताकि वितरण तिथि से पूर्व सारी दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी हो सके और सक्षम प्राधिकारी द्वारा छात्रवृत्ति का संपूर्ण वितरण एवं भुगतान जनवरी माह 2027 तक शत-प्रतिशत संपन्न किया जा सके।

इसके साथ ही छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए कुछ अनिवार्य पात्रता एवं शर्तों के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालकों की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक आय की यह सीमा अधिकतम एक लाख रुपये प्रतिवर्ष तय की गई है। आवेदन करते समय विद्यार्थियों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण-पत्र, छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवास प्रमाण-पत्र और अपने पाठ्यक्रम के विगत वर्ष का परीक्षा परिणाम जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज संलग्न करने होंगे।

इस बार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान सीधे पीएफएमएस के माध्यम से विद्यार्थियों के आधार से जुड़े सक्रिय बैंक खातों में किया जाएगा, इसलिए सभी आवेदकों को फॉर्म भरते समय अपने बैंक विवरण की सही प्रविष्टि सुनिश्चित करनी होगी। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल से वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्राप्त करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। सुरक्षा और सत्यता की जांच के लिए इस सत्र में नवीन संस्थाओं के संस्था प्रमुख और संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारियों का बायोमेट्रिक-ऑथेंटिकेशन किया जाना भी अनिवार्य रहेगा। अब विद्यार्थियों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर अपने ऑनलाइन आवेदन पूरे करने की सलाह दी गई है ताकि उन्हें समय पर छात्रवृत्ति का भुगतान मिल सके।

श्रमदान से ग्रामीणों ने बनाया अस्थायी पुल, पूर्व मंत्री ने बारिश के बाद पुल बनाने किया आश्वस्त

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। विकास और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे बीजापुर जिले के ग्राम पंचायत पेद्दाकोड़ेपाल के आश्रित गांव कोयाईटपाल-डोगरीपारा के निवासियों ने अपनी सालों पुरानी आवागमन की समस्या को 200 ग्रामीणों ने एक साथ मिलकर सामूहिक श्रमदान किया और बहते नाले पर लकड़ी का एक अस्थायी पुल बनाकर तैयार कर दिया। हर साल वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही यहां की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। नदी-नाले उफान पर आने से बच्चों का स्कूल जाना बंद हो जाता था और बुजुर्गों, मरीजों तथा गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में भारी जोखिम उठाना पड़ता था।

ग्रामीणों के इस सराहनीय प्रयास की भनक लगते ही भाजपा सोशल मीडिया जिला संयोजक के.जी. सुधाकर, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संदीप तेलम और सहसंयोजक जितेंद्र तेलम मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया और इस गंभीर समस्या से पूर्व मंत्री महेश गागड़ा को अवगत कराया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने आज शुक्रवार को ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि जैसे ही वर्षा ऋतु समाप्त होगी, वैसे ही यहां छह मीटर लंबी नवीन पक्की पुलिया के निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ शुरू करा दिया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व मंत्री से मिले आश्वासन के बाद अब उन्हें उम्मीद जगी है कि जल्द ही उनकी यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। पक्की पुलिया का निर्माण होने से न सिर्फ सुरक्षित आवागमन संभव होगा, बल्कि इस सुदूर वनांचल क्षेत्र के विकास को भी एक नई दिशा मिलेगी।

सीईओ ने बड़ेकनेरा में बायोगैस संयंत्र का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में स्थापित बायोगैस संयंत्र का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संयंत्र की कार्यप्रणाली, गोबर की उपलब्धता, गैस उत्पादन एवं उपयोग की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भोई ने जनपद पंचायत कोण्डागांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को बायोगैस संयंत्र की निरंतर क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मात्रा में गोबर की नियमित उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बायोगैस संयंत्र न केवल स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम भी है।

संक्षिप्त समाचार

गेवरा खदान में केबल चोरी की कोशिश नाकाम, दो आरोपी रंगे हाथ पकड़े गये

कोरबा। गत दिनांक 16 जून 2026 को सीआईएसएफ के बल सदस्यों द्वारा गेवरा खदान के अंदर स्थित ब्रह्मपुत्र तालाब के पास घात लगाकर कार्रवाई की। रात करीब 2 बजे 6-7 संदिग्ध व्यक्तियों का एक समूह केबल चोरी करने के इरादे से ब्रह्मपुत्र तालाब में संचालित मोटर के केबल को काटने का प्रयास किया । किन्तु पहले से घात लगाकर बैठे सीआईएसएफ के बल सदस्यों द्वारा सतर्कता और त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें घेर लिया और केबल चोरी की कोशिश को विफल कर दिया गया। टीम ने मौके से दो आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया, जबकि उनके अन्य साथी अंधेरे एवं पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाकर फरार हो गए।

पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान 'कृष्णा दास (पिता - सुमेर दास), निवासी भिलाई बाजार' तथा 'देव प्रकाश (पिता - राम), निवासी टिटघोटला' के रूप में बताई। पकडे गए 02 संदिग्ध व्यक्तियों को दीपका थाना में अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंप दिया गया।

रेत घाटों पर लगा प्रतिबंध बेअसरः पटवारी ने बिना रॉयल्टी पर्ची के पकड़ा 3 ट्रैक्टर

कोरबा। रेत घाटों पर वर्षाकाल में रेत उत्खनन पर खनिज प्रशासन द्वारा लगाया गया प्रतिबंध बेअसर साबित हो रहा। हसदेव नदी का सीना चीरकर तरदा रेत घाट से बिना रॉयल्टी पर्ची के रेत उत्खनन कर परिवहन करते सरईसिंगार के पास 3 ट्रैक्टर पटवारी रीना वर्मा ने पकड़ा है।

पटवारी रीना वर्मा ने बताया कि तीनों ट्रैक्टर सरईसिंगार निवासी मनोज कुमार, सजन सिंह एवं तरदा निवासी रामखिलावन का है। तीनों ट्रैक्टर चालक के पास रॉयल्टी पर्ची नहीं थे। रेत घाट पर प्रतिबंध लगे होने की वजह से यह संभव भी नहीं ,लिहाजा यह सीधा अवैध रेत उत्खनन परिवहन से जुड़ा मामला है।लिहाजा कड़ी कार्रवाई की दरकार है।साथ ही खनिज विभाग के निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहा है।

अनुविभाग स्तरीय पंजीयन शिविर में शामिल हुए कलेक्टर कुणाल दुदावत

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पंडित जवाहर लाल नेहरू सभाकक्ष, कोरबा में आयोजित अनुविभाग स्तरीय पंजीकरण शिविर में कलेक्टर कुणाल दुदावत शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

कलेक्टर दुदावत ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण, पीएम स्वनिधि योजना, जिला खनिज न्यास मद से संचालित विकास कार्यों सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए आमजनों को इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को जिला प्रशासन की ओर से प्रदान की जाने वाली सहायता एवं प्रोत्साहन योजनाओं के संबंध में भी जानकारी दी।

उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने, पात्रतानुसार पंजीयन कराने तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए शिविरों में सक्रिय सहभागिता करने का आग्रह किया। इस दौरान कलेक्टर दुदावत ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं को बैंक ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए। साथ ही लखपति दीदियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उनके आवासों की चाबियां सौंपकर शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश नाग, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सरोज महिलांगे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन पंजीयन की सूचना

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं डाईट आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं संस्थान में अध्ययनरत् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो राज्य शासन द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हैं उन्हे सूचित किया गया है कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाईन की जा रही है।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026-27 छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन/प्रस्ताव/स्वीकृतिकी तिथि निर्धारित की गई है। नवीनीकरण हेतु विद्यार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन प्राप्ति तिथि क्रमशः 30जून तक, 30 सितंबर तक, 30नवंबर तक एवं 30 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। नवीन हेतु विद्यार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन प्राप्ति तिथि 30 अगस्त, 30 सितंबर तक, 30 अक्टूबर तक एवं 30 दिसंबर 2026 तक निर्धारित है।

सहायक आयुक्त ने बताया कि विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन नवीनीकरण के लिए 20 जून 2026 एवं नवीन आवेदन के लिए 01 अगस्त 2026 से छात्रवृत्ति पोर्टल प्रारंभ किये जायेंगे। छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है। इस हेतु सभी विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करते समय एक्टिव बचत खाता एवं आधार सीडेड बैंक खाता नंबर की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें।

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को एनएसपी पोर्टल से ओटीआर (वन टाईम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना आवश्यक है। इस हेतु राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल में प्रदाय निर्देशों का अवलोकन किया जा सकता है। वर्ष 2025-26 में नवीन संस्था के संस्था प्रमुख एवं संस्था के छात्रवृत्ति प्रभारी का बायोमैट्रिक-एथेंटिकेशन किया जाना आवश्यक है।

आंगनबाड़ी व पीडीएस भवन के घटिया निर्माण की सुशासन तिहार में शिकायत, जांच के लिए 3 सदस्यीय टीम गठित

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। जनपद पंचायत पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवपुर के फुलवारीपारा में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी व पीडीएस भवन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत सुशासन तिहार में की गई है। सरपंच पर आरोप है कि लाखों के स्वीकृति से बनने वाले 2 आंगनबाड़ी व 1 पीडीएस भवन के निर्माण में नियम- कायदे को ताक पर रख दिया गया है और स्टीमेट के विपरीत घटिया कार्य कराकर निर्माण गुणवत्ता पर पलीता लगाया जा रहा है। शिकायत पर 3 सदस्यीय जांच टीम गठित की गई है।

शिकायतकर्ता शिवपुर तत्कालीन सरपंच राजू जगत ने 29 मई 2026 को सुशासन तिहार में आवेदन क्रमांक- 26143619106099 के माध्यम से आरोप लगाया था कि डीएमएफमद से फुलवारीपारा में दो आंगनबाड़ी व एक पीडीएस भवन का निर्माण सरपंच के देखरेख में किया जा रहा है, निर्माण कार्य स्टीमेट के विपरीत निम्न स्तर के मटेरियल सामाग्री से कराया जा रहा है। शिकायत में कहा गया है कि आंगनबाड़ी भवन छोटे बच्चों के लिए बन रहा है। वहीं पीडीएस भवन भी खाद्यान सामाग्री भंडारण व वितरण हेतु निर्मित हो रहा है, घटिया निर्माण के बाद कभी भी हादसा हो सकता है, गुणवत्ता से समझौता बच्चों और ग्रामीणों के लिए जान का खतरा बन सकता है। तत्कालीन सरपंच राजू जगत ने भवनों की गुणवत्ता जांच की मांग की है, जिसके आधार पर कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा ने जांच के लिए 5 जून को तीन सदस्यीय टीम गठित कर दी है, जिसमे ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उप संभाग करतला अनुविभागीय अधिकारी हरिनारायण सिंह राज, कटघोरा उप संभाग अनुविभागीय अधिकारी अनुज कुमार भार्गव व कोरबा उपसंभाग उपअभियंता विकास चेलक शामिल है। कार्यपालन अभियंता ने टीम को निर्देशित किया है कि उक्त निर्माण कार्य से संबंधित मांगध् शिकायत की विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें, साथ ही यह भी कहा गया है कि शिकायतकर्ता की उपस्थिति में जांच की जाए।

सरपंच शिवपुर को भी जांच के दौरान उपस्थित रहने को कहा गया है। जांच आदेश की प्रतिलिपि कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ व पाली जनपद सीईओ को भी सूचनार्थ भेजी गई है और जनपद सीईओ पाली को निर्देशित किया गया है कि जांच दल को उक्त कार्य के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं। गठित टीम जल्द ही जांच करने ग्राम पंचायत शिवपुर पहुँचेगी। वहीं इस पंचायत के निवासियों का भी कहना है कि निर्वाचित सरपंच केवल नाम मात्र की है, पंचायत के सारे कामकाज सरपंच पति द्वारा मनमाने संपादित किया जाता है। निर्माण कार्यों में भी गुणवत्ता को ताक पर रखा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर जिले में व्यापक जनजागरूकता अभियान आयोजित करने के निर्देश

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। 26 जून 2026 'अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस' के अवसर पर जिले में नशे के विरुद्ध व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुणाल दुदावत द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार समाज में नशापान की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण, नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण तथा समुदाय स्तर पर व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में नशामुक्ति से संबंधित विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत रेडियो एवं दूरदर्शन के माध्यम से नशामुक्ति संदेशों का प्रसारण, नशा पीड़ित व्यक्तियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देना तथा नशा मुक्ति से संबंधित प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शामिल रहेगा।

विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम, निबंध एवं संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। साथ ही योगाचार्यों के मार्गदर्शन में योगाभ्यास प्रदर्शन एवं प्रेरक व्याख्यान के माध्यम से नशामुक्त जीवनशैली को प्रोत्साहित किया जाएगा।

अभियान के दौरान सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल माध्यमों से प्रेरक स्लोगन एवं चित्रों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। नशा एवं एड्स प्रभावित क्षेत्रों में विशेष जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएगी ताकि संवेदनशील वर्गों तक संदेश प्रभावी रूप से पहुंच सके।

ग्राम पंचायत स्तर पर गठित भारत माता वाहिनी के माध्यम से भी नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुरूप जन जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी कार्यक्रमों का आयोजन जनसामान्य की सक्रिय सहभागिता एवं विभागीय समन्वय के साथ किया जाए तथा आयोजित गतिविधियों के फोटोग्राफ्स एवं प्रतिवेदन एनएमबीएएप एवं पोर्टल में अपलोड किए जाएं एवं निर्धारित समयावधि में कार्यालय उप संचालक समाज कल्याण, कोरबा को प्रेषित किया जाए। यह अभियान जिले में नशामुक्ति के प्रति जनमत निर्माण, सामाजिक जागरूकता एवं स्वस्थ समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

कटघोरा -अम्बिकापुर नेशनल हाइवे के फोरलेन बनाने से पहले प्रशासन ने 18 गांवों की जमीन की खरीदी बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कटघोरा-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग को फोरलेन में विकसित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना ने अब जमीनी स्तर पर आकार लेना शुरू कर दिया है। प्रस्तावित सड़क विस्तार और पुनर्संरेखन से प्रभावित क्षेत्रों में भूमि संबंधी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने अहम कदम उठाया है। परियोजना क्षेत्र के 18 गांवों में जमीन की खरीद-बिक्री, हस्तांतरण, बंटवारा और खाता विभाजन पर अस्थायी रोक लगाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कटघोरा-शिवनगर-अंबिकापुर मार्ग के उन्नयन और चैड़ीकरण का कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए बड़ी मात्रा में भूमि अधिग्रहण किया जाना है। प्रशासन को आशंका है कि परियोजना की जानकारी सार्वजनिक होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जमीनों के सौदों में तेजी आ सकती है, जिससे भविष्य में मुआवजा वितरण और स्वामित्व संबंधी विवाद उत्पन्न होने की संभावना रहेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए राजस्व एवं पंजीयन विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग की मध्य रेखा से दोनों ओर 50-50 मीटर की सीमा में आने वाली भूमि तथा पोड़ी उपरोड़ा और कोनकोना क्षेत्र के प्रस्तावित नए मार्ग से प्रभावित जमीनों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। परियोजना से प्रभावित गांवों में आमाखोखरा, रामपुर, तानाखार, बरपाली, पोड़ी-उपरोड़ा, कोनकोना, गुरसिया, बंजारी, मड़ई, लमना, चोटिया, परला, कपानवापारा, केंदई, केतमा, मोरगा, मदनपुर और पुटा शामिल हैं। फोरलेन सड़क निर्माण को उत्तर छत्तीसगढ़ और कोरबा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था तथा आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वैज्ञानिक खेती की ओर बढ़ते कदम, नैनो उर्वरकों से सुधरी फसल की गुणवत्ता

लोकमाया न्यूज ।

पारंपरिक उर्वरकों से आगे बढ़कर अपनाई नई तकनीक, किसान रमेश सिंह कंवर को दिखे बेहतर परिणाम

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं। किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा नैनो डीएपी और नैनो यूरिया जैसे आधुनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। संतुलित पोषण, कम लागत और बेहतर

कृषि उत्पादकता की दिशा में यह पहल किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है।

कोरबा जिले के ग्राम खैरभवना निवासी कृषक रमेश सिंह कंवर इसकी सफलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। लंबे समय से खेती-किसानी से जुड़े कंवर अपनी लगभग डेढ़ एकड़ कृषि भूमि में धान की खेती करते हैं। खरीफ सीजन की तैयारियों के तहत वे आज सहकारी समिति कनबेरी पहुंचे, जहां उन्होंने अन्य कृषि आदान सामग्री के साथ नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया भी प्राप्त किया।

कंवर बताते हैं कि वे पिछले दो वर्षों से नैनो उर्वरकों का उपयोग कर रहे हैं। प्रारंभ में उन्होंने परीक्षण के तौर पर इसका प्रयोग किया था, लेकिन सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद अब वे प्रत्येक वर्ष नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनका कहना है कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसलों की वृद्धि बेहतर हुई है, हरियाली बढ़ी है तथा उत्पादन में भी सुधार देखने को मिला है। इसके साथ ही पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में कम मात्रा में अधिक प्रभाव मिलने से उनकी लागत में कमी आई है और आर्थिक लाभ भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से पौधों को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त होते हैं, जिससे फसल का समुचित विकास होता है। इससे उर्वरकों की बर्बादी कम होती है, मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है तथा पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कंवर ने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि केवल पारंपरिक उर्वरकों पर निर्भर रहने के बजाय आधुनिक कृषि तकनीकों और नैनो उर्वरकों को अपनाएं। इससे फसलों को बेहतर पोषण मिलता है, उत्पादन में वृद्धि होती है तथा खेती की लागत कम होकर किसानों की आय बढ़ाने में सहायता मिलती है।

मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करती तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी संपन्न

लोकमाया न्यूज ।

विकसित भारत के संकल्प और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों से रूबरू हुए नागरिक

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कोरबा नगरीय क्षेत्र के स्मृति उद्यान के समीप आयोजित तीन दिवसीय भव्य छायाचित्र प्रदर्शनी आज गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रदर्शनी के अंतिम दिवस जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों,विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे वरिष्ठ नागरिक अवध राम, त्रिभुवन लाल यादव,

एम.आर. राठौर एवं गिरीश दुबे ने छायाचित्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में हुए उल्लेखनीय परिवर्तनों की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि छायाचित्रों, तथ्यों एवं प्रदर्शित सामग्री के माध्यम से केंद्र सरकार की योजनाओं के सकारात्मक प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ऐसी प्रदर्शनी नागरिकों को शासन की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों से जोड़ने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रदर्षनी अवलोकन को पहुंचे कोरबा केगोरेलाल साहू ने छायाचित्र प्रदर्षनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, किसानों की आय वृद्धि तथा आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने नागरिकों से शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर पात्रतानुसार उनका लाभ उठाने का आग्रह किया।इसी प्रकार नगरवासी उमेष कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन, आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत विश्व पटल पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं से किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों तथा वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है और देश विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना तथा आरडीएसएस योजना सहित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जिज्ञासु छात्राओं ने चित्रों में देखी देश के विकास की कहानी'

प्रदर्शनी में पहुंचे आदिवासी कन्या आश्रम की छात्राओं के लिए यह केवल तस्वीरों का अवलोकन नहीं, बल्कि देश के विकास की प्रेरणादायक यात्रा को समझने का अवसर था। अधीक्षिका ने चित्रों के माध्यम से पिछले 12 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में हुए परिवर्तन, जनकल्याणकारी योजनाओं और देश की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से आमजनों को त्वरित राहत, समस्याओं के समाधान का बना भरोसेमंद माध्यम

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। शासन की जनहितकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजनों तक समय पर पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एक भरोसेमंद माध्यम के रूप में स्थापित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों एवं मांगों की लगातार निगरानी करते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जिले में 19 जून की सुबह तक राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, विद्युत, पेयजल, खाद्य, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित 1311 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 388 से अधिक आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई है, जबकि 374 से अधिक आवेदन वर्तमान में प्रक्रियाधीन हैं। शेष प्रकरणों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर 'कुणाल दुदावत' के निर्देशन में सभी विभागों को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता, संवेदनशीलता और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय अधिकारी नियमित समीक्षा कर शिकायतों के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से जिले के नागरिकों को नवीन राशन कार्ड बनवाने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, लंबित भुगतान, विद्युत व्यवस्था में सुधार, सड़क मरम्मत, पेयजल आपूर्ति, नालियों की सफाई, स्वच्छता कार्य, सीमांकन, नामांतरण तथा अन्य राजस्व संबंधी मामलों में त्वरित राहत मिल रही है।

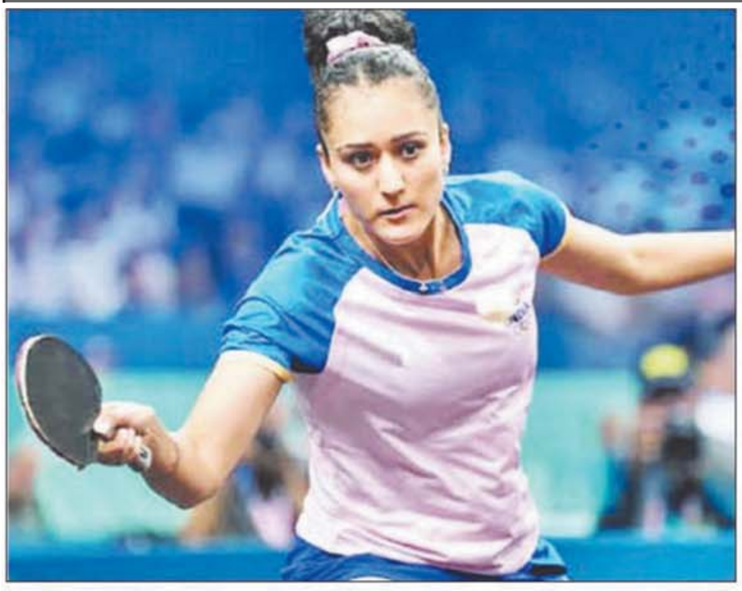

एशियाई खेल टीम से बाहर होने पर मनिका बत्रा ने उठाए सवाल, चयन प्रक्रिया पर मांगी पारदर्शिता

नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा ने 2026 एशियाई खेलों की भारतीय टीम से बाहर किए जाने पर चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से मामले की जांच कर चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और निष्पक्ष बनाए जाने का आग्रह किया है।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा घोषित टीम में पुरुष वर्ग की अगुवाई जी. साथीयन और महिला वर्ग की अगुवाई श्रीजा अकुला करेंगी। महिला टीम में श्रीजा अकुला, यशस्विनी घोरपड़े, दीया चितले, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला दास को शामिल किया गया है। मनिका बत्रा को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।

सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में मनिका ने कहा कि टीम में शामिल नहीं किया जाना उनके लिए निराशाजनक है, लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि चयन मानदंडों को किस प्रकार लागू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक यह नहीं बताया गया है कि चयन से बाहर रखने का विशिष्ट कारण क्या था।

मनिका ने कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार चयन प्रक्रिया में विश्व रैंकिंग, राष्ट्रीय रैंकिंग और चयन समिति के विवेकाधिकार को आधार माना जाता है। यदि ऐसा है तो खिलाड़ियों को यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि इन सभी कारकों को किस प्रकार और कितने महत्व के साथ लागू किया गया। 31 वर्षीय मनिका ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी वर्तमान विश्व रैंकिंग 51 है और वह शीर्ष-50 के बेहद करीब हैं। उनका कहना है कि रैंकिंग में मामूली उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और केवल इसी आधार पर उन्हें बाहर रखना समझना कठिन है। मनिका ने अपने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि इस सत्र में उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और चीन सहित कई मजबूत एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की हैं। उनके अनुसार, उनका वर्तमान प्रदर्शन उच्च अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू प्रतियोगिताओं में भागीदारी को चयन का आधार बनाया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रतियोगिताएं खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए हर घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता।

मनिका ने चयन प्रक्रिया में विवेकाधिकार के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चयन में किसी स्तर पर विशेष अधिकार का उपयोग किया जाता है, तो उसका तरीका स्पष्ट, समान और दस्तावेजी होना चाहिए। उन्होंने महासंघ से अपने चयन न होने के कारणों, लागू मानदंडों और निर्णय प्रक्रिया का विस्तृत विवरण मांगा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय टीम को बड़ा झटका, श्रेयंका पाटिल टखने की चोट के कारण महिला टी20 विश्व कप से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम की आफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल दाएं टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। श्रेयंका को बुधवार को हेडिंग्ले में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप चरण मुकाबले के दौरान चोट लगी। पावरप्ले के अंतिम ओवर में गेंद रोकने के प्रयास में उनका टखना मुड़ गया, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने शुक्रवार को श्रेयंका के स्थान पर 24 वर्षीय प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। प्रेमा रावत अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सकी हैं, लेकिन घरेलू और महिला प्रीमियर लीग में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने पिछले दो सत्रों में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए छह महिला प्रीमियर लीग मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में भी प्रेमा ने उत्तराखंड को वरिष्ठ महिला चैम्पियनशिप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें एक स्वाभाविक आलराउंड खिलाड़ी माना जाता है, जो गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी योगदान दे सकती हैं। हालांकि, श्रेयंका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। उनकी तेज क्षेत्ररक्षण क्षमता के अलावा वह विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों और अंतिम ओवरों में भारत की आक्रामक गेंदबाजी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की तकनीकी समिति में आईसीसी और मेजबान प्रतिनिधियों की मंजूरी के बाद ही यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू किया गया।

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे कुंबले, मजबूरन अपनानी पड़ी थी लेग स्पिन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि वह अपने करियर के

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे पर जब उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठे तो मजबूरन उन्हें लेग स्पिन अपनानी पड़ी थी। कुंबले का कहना है कि स्कूल और क्लब क्रिकेट खेलते समय वे तेज गेंदबाजी करते थे पर एक एक सीनियर खिलाड़ी ने उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठा दिये थे जिसके बाद उन्हें स्पिन अपनानी पड़ी। कुंबले ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, क्लब के एक सीनियर खिलाड़ी ने कोच से मुझे गेंदबाजी करने से रोकने के लिए कहा क्योंकि उन्हें लगा कि मैं अपनी कोहनी मोड़ रहा हूं। तब मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कोहनी मोड़ रहा हूं। मैं वैसे ही गेंदाबाजी कर रहा था जैसा मुझे स्वाभाविक लगता था। उस समय मैं लगभग 13-14 साल का था। इस आरोप के कारण मुझे कर्नाटक अंडर-15 चयन ट्रायल से कुछ सप्ताह पहले ही कोई दूसरा रास्ता निकालना था। ऐसें में उन्होंने अपने भाई से सलाह ली जिन्होंने टीम में चुने जाने की संभावना बढ़ाने के लिए उन्हें लेग स्पिन अपनाने का सुझाव दिया।

कुंबले ने कहा, फिर मुझे अंडर-15 चयन ट्रायल देने का अवसर मिला। इसमें दो माह का समय था।

फीफा वर्ल्ड कप में कनाडा की टीम ऐतिहासिक जीत के बाद कतर के खिलाड़ियों से भिड़ी

वैंकूवर। फीफा विश्वकप फुटबाल में कनाडा ने कतर के खिलाफ मुकाबले में 6-0 की बढ़ी जीत हासिल कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है हालांकि इस जीत के बाद विवाद भी उठ गया। यहां के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडाई टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच समाप्त होने की घोषणा होते ही दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच झड़प भी हुई। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श मैच समाप्त होने के बाद कतर के मैनेजर जूलन लोपेटेगुई से हाथ मिलाने पहुंचे। हालांकि, इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। इससे कतर के खिलाड़ी भड़क गये और कनाडा के कोच से उलझ गये। इस हल्की नोकझोंक के बाद दोनो टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच विवाद भड़क गया जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। ऐसे में सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालना पड़ा और दोनों टीमों को अलग करना पड़ा। माना जा रहा है कि इस झड़प का कारण कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोन को लगी चोट है। कनाडाई खिलाड़ी मानते हैं कि कतर के खिलाड़ी असिम मदीबो की टक्कर से कनाडाई खिलाड़ी घायल हुआ। इसी कारण कनाडाई खिलाड़ी काफी गुस्से में थे। दूसरे हाफ की शुरुआत में असिम मदीबो ने इस्माइल कोन पर एक खतरनाक हमला बोला।

फीफा विश्व कप : नाकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नाकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया।

यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-ग्यु की बड़ी गलती के बाद आया। दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रास को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रांजेल ने यांग ह्युन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्तादियो अज़्टेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मान्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद जर्मनी टीम को अलविदा कहेंगे मैनुअल नेउर, विश्व कप को बताया अंतिम टूर्नामेंट

विंस्टन-सेलम। जर्मनी के अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नेउर ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह फीफा विश्व कप 2026 के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लेंगे। 40 वर्षीय नेउर ने स्पष्ट किया कि यह उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। साल 2014 में जर्मनी को विश्व कप जिताने वाले नेउर लगातार पांचवें विश्व कप में जर्मनी के मुख्य गोलकीपर के रूप में खेल रहे हैं। उन्होंने यूरो 2024 में जर्मनी की क्वार्टर फाइनल हार के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले लिया था, लेकिन क्लब स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व कप के लिए फिर टीम में शामिल किया गया। नेउर ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, मैंने 2024 में सही कारणों से अंतरराष्ट्रीय फुटबाल छोड़ा था। पिछले दो वर्षों तक लगातार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना मेरे लिए शारीरिक रूप से कठिन होता। अब यह तय है कि यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। मैं दो साल बाद होने वाली अगली यूरो चैम्पियनशिप में नहीं खेलूंगा। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने यह स्वीकार किया है कि जर्मनी के लिए ये उनके अंतिम मुकाबले होंगे, लेकिन फिलहाल उनका पूरा ध्यान विदाई पर नहीं बल्कि टीम के प्रदर्शन पर है। विश्व कप से पहले गोलकीपर ओलिवर बामन को जर्मनी की पहली पसंद माना जा रहा था, लेकिन नेउर की वापसी के बाद उन्हें शुरुआती स्थान मिला। उन्होंने दो साल बाद राष्ट्रीय टीम के लिए पहला मैच खेलते हुए कुराकाओ के खिलाफ 7-1 की बड़ी जीत में हिस्सा लिया। नेउर ने बताया कि उनकी और बामन की आपसी समझ बहुत अच्छी है और दोनों टीम के हित में साथ काम कर रहे हैं। जर्मनी अब अपने अगले ग्रुप मुकाबले में आइवरी कोस्ट से भिड़ेगा। इस मैच में जीत जर्मनी को नाकआउट चरण में पहुंचा सकती है। जर्मन टीम पिछले दो विश्व कप (2018 और 2022) में ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी। नेउर ने कहा, हम पिछली असफलताओं के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य अगला मैच जीतना और जल्दी नाकआउट में जगह बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस उम्र में एक और विश्व कप खेलना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि अगर उन्हें विश्व कप जीतने की संभावना नहीं दिखती, तो वह यहां मौजूद नहीं होते।

अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम में हर्षित राणा की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार (19 जून) को पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है। हर्षित राणा पिछले कुछ समय से बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है और वह चेन्नई में भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच 20 जून को चेन्नई में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाएगा। 24 वर्षीय हर्षित राणा इस साल टी-20 विश्वकप से पहले अभ्यास मैच के दौरान घुटने की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। चोट के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा नहीं ले सके और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैदान पर नहीं उतर पाए। हालांकि लंबे पुनर्वास के बाद राणा को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों की संभावित योजनाओं में भी शामिल किया गया था। अब उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी चेन्नई वनडे से ही हो सकती है, यदि उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है। हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम वनडे में उन्होंने तीन विकेट लेने के साथ निचले क्रम में 43 गेंदों पर 52 रन भी बनाए थे। अब तक खेले 14 वनडे मुकाबलों में वह 26 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। भारत फिलहाल तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है। टीम ने धर्मशाला और लखनऊ में खेले गए पहले दो मुकाबले जीत लिए थे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला शनिवार (20 जून) को चेन्नई में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

फीफा विश्व कप 2026: स्विट्ज़रलैंड ने बोस्निया को 4-1 से हराया

इंगलवुड। फीफा विश्व कप 2026 में स्विट्जरलैंड ने शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार तड़के बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से हराकर ग्रुप बी में मजबूत स्थिति बना ली। मुकाबले का निर्णायक मोड़ दूसरे हाफ में आया, जब विकल्प खिलाड़ी योहान मंजांबी ने विश्व कप का अपना पहला गोल दागा और इसके बाद स्विट्जरलैंड ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की। पहले हाफ में स्विट्जरलैंड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बोस्निया की सधी हुई रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने दबाव बढ़ाया और 74वें मिनट में मंजांबी ने शानदार वाली के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बोस्निया की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब तारिक मुहरेमोविच को खतरनाक टैकल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए स्विट्जरलैंड ने 84वें मिनट में रूबेन वर्गास के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में वर्गास के पास पर मंजांबी ने अपना दूसरा गोल दागा। मैच के इंजरी टाइम में कप्तान ग्रेनिट झाका ने पेनाल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। बोस्निया की ओर से एकमात्र गोल एर्मिन माहमिक ने इंजरी टाइम में किया।

अंतिम मिनटों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने एफआईएच हाकी प्रो लीग में 2-1 से हराया

राटरडैम

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडैम चरण में शुक्रवार को मौजूदा विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हाथ से निकल गया और भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को यादगार बनाते हुए गोल दागा, लेकिन जर्मनी ने अंतिम चार मिनट में दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जर्मनी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मजबूत रक्षापंक्ति के कारण विश्व चैम्पियन टीम पहले हाफ में स्पष्ट अवसर नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने तेज दबाव बनाते हुए जर्मनी को लगातार गलती करने पर मजबूर किया। अभिषेक ने भारत के लिए एक अच्छा मौका बनाया, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत को पहला पेनाल्टी कार्नर मिला और जुगराज सिंह ने 38वें मिनट में जोरदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच का खास पल बन गया। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर के अंत में लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए बढ़त कायम रखी। अंतिम क्वार्टर में भारत के पास अंतर बढ़ाने के अवसर आए, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी ने 56वें मिनट में जस्टस वाइगांड के पेनाल्टी कार्नर गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद मुकाबले के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनाल्टी कार्नर मिला, जिसे याकाब ब्रिला ने गोल में बदलते हुए अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। हार के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और अपने खेल से प्रभावित किया। भारत अब 21 जून को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे अपने अगले मुकाबले में नीदरलैंड्स का सामना करेगा।

देवेंद्र की घातक गेंदबाजी और कनिष्क की आतिशी पारी से निमाड़ ईगल्स ने जबलपुर को 7 विकेट से हराया

अभिषेक भंडारी की 80 रन की शानदार पारी गई बेकार, 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर निमाड़ ईगल्स ने मारी बाजी

इंदौर

होलकर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में रायल निमाड़ ईगल्स ने जबलपुर रायल लायंस को 7 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर ने 176 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, जिसे ईगल्स ने हिमांशु मंत्री (45), कनिष्क दुबे (नाबाद 70) और कप्तान सारांश जैन (नाबाद 32) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। देवेंद्र सिंह कथैत (3 विकेट) को उनके घातक गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ रायल निमाड़ ईगल्स 6 मुकाबलों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, जबलपुर रायल लायंस 6 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है, जिससे उनकी प्लेआफ की उम्मीदें अब भी कायम हैं।

ईगल्स की आक्रामक शुरुआत - 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायल निमाड़ ईगल्स को शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज मिला। पावरप्ले के दौरान टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 68 रन जोड़कर जीत की मजबूत नींव रख दी। हिमांशु संदीप मंत्री (45) और धर्मेश पटेल (23) ने बेहतरीन शुरुआत दी। मैच का रुख तब बदला जब दूसरे विकेट के लिए हिमांशु मंत्री और कनिष्क दुबे के बीच 80 रनों की आक्रामक साझेदारी हुई। इसके बाद, कनिष्क दुबे ने मैदान के चारों ओर शाट्स लगाते हुए 44 गेंदों में नाबाद 70 रन (6 चौके व 3 छक्के) ठोक दिए। अंत में कप्तान सारांश सुबोध जैन ने 20 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाकर चौथे विकेट के लिए नाबाद 56 रनों की साझेदारी निभाई और जीत की औपचारिकता पूरी कर दी।

भंडारी की मेहनत पर फिरा पानी - इससे पहले टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर रायल लायंस के लिए अभिषेक भंडारी ने एक छोर मजबूती से थामे रखा। भंडारी ने 51 गेंदों में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन की बेहतरीन पारी खेली। अजय रोहेरा (40) के साथ उनकी साझेदारी की मदद से जबलपुर ने 20 ओवर में 176 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। निमाड़ ईगल्स के लिए देवेंद्र सिंह कथैत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसने जबलपुर की पारी को सीमित रखने में अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त स्कोर

जबलपुर रायल लायंस : 176/6 (20 ओवर) - अभिषेक भंडारी 80*, अजय रोहेरा 40; देवेंद्र सिंह कथैत 3/26, कुमार कार्तिकेय 2/34।

रायल निमाड़ ईगल्स : 177/3 (18.3 ओवर) - कनिष्क दुबे 70*, हिमांशु मंत्री 45, सारांश जैन 32*; नयनराज मेवाड़ा 2/33।

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत- अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं-

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं-

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछ्ले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिंग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

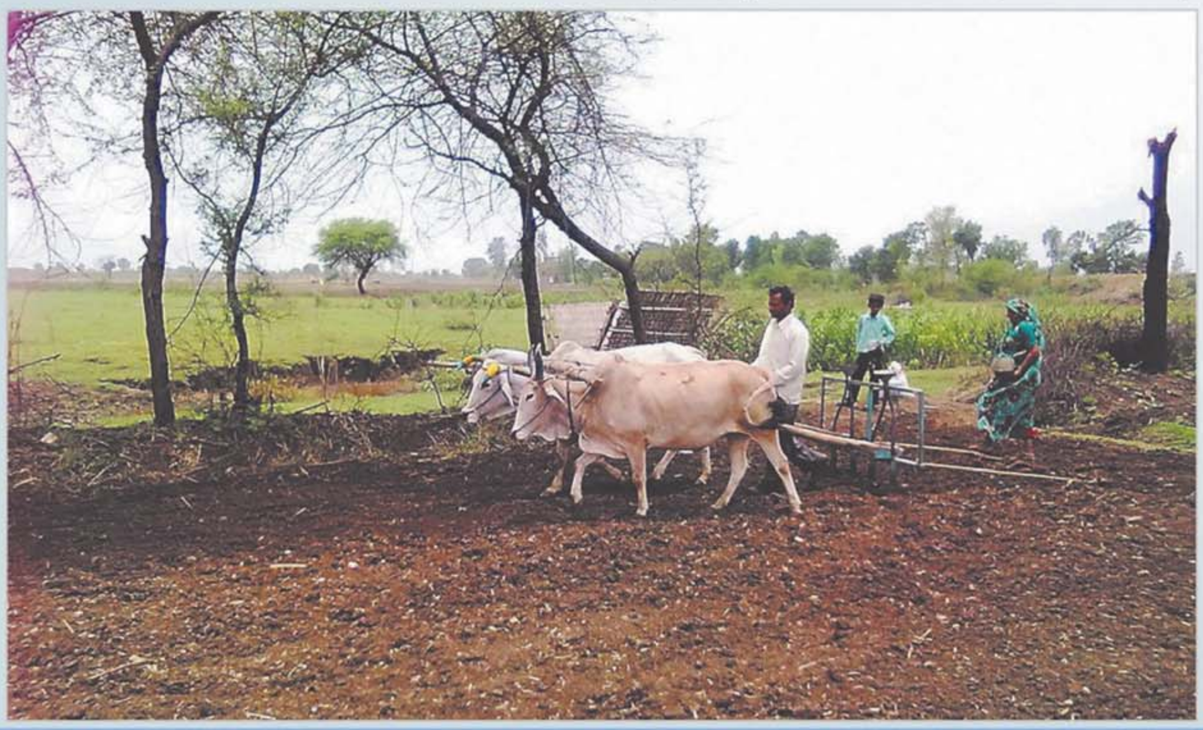

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत- कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''
अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में स्रष्टह्ह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

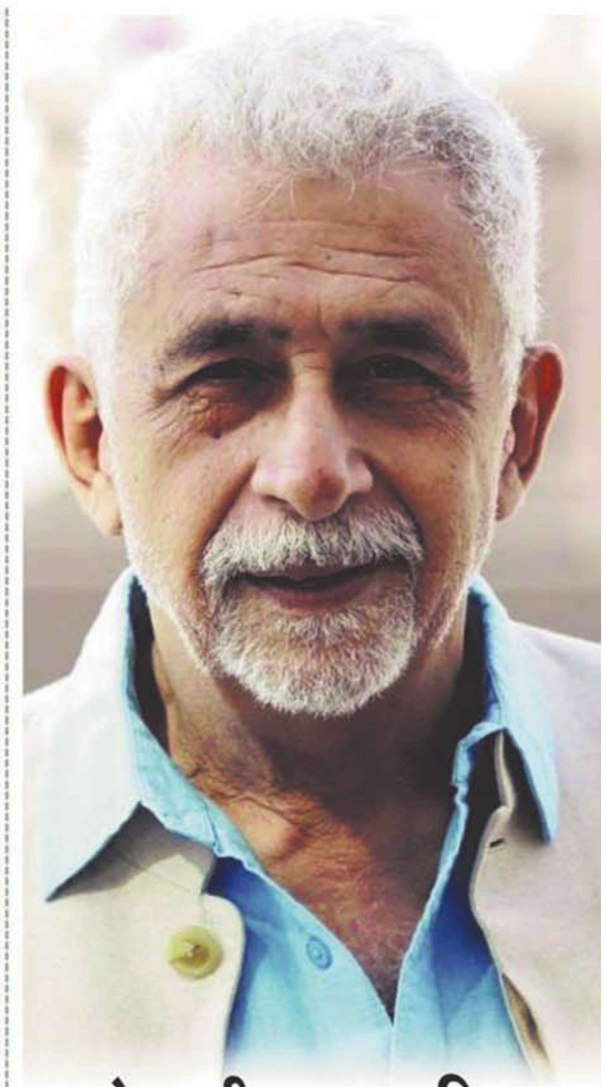

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया : ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।''
नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया : ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ

अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।' फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्दद्भ्र् पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

संक्षिप्त समाचार

सीएम साय ने आरएसएस नेता चंद्रशेखर देवांगन के पिता के निधन पर जताया दुःख

रायपुर। सीएम साय ने ऋस्स नेता चंद्रशेखर देवांगन के पिता बंशीलाल देवांगन के निधन पर दुःख जताया है, उन्होंने ङ्ग पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत कार्यवाह चंद्रशेखर देवांगन जी के पूज्य पिताजी बंशीलाल देवांगन के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें। ? शांति। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बताया दुःख प्रांत कार्यवाह छत्तीसगढ़ प्रांत चंद्रशेखर देवांगन के पूज्य पिता बंशीलाल देवांगन के निधन का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा समस्त शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति, धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

बाल संरक्षण और पुनर्वास की दिशा में छत्तीसगढ़ में चला व्यापक अभियान

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल सक्षम नीति-2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत पूरे प्रदेश में 1 जून से 30 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क जैसी विषम परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे, भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, कचरा संग्रहण जैसे कार्यों में संलग्न तथा संरक्षण एवं देखरेख की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उनका सुरक्षित रेस्क्यू, संरक्षण और स्थायी पुनर्वास सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत बस्तर, दुर्ग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बालोद, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सुकमा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, नारायणपुर,रायपुर एवं बेमेतरा सहित विभिन्न जिलों में जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, श्रम विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं की संयुक्त टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता, निरीक्षण एवं बचाव अभियान चलाया गया।इस दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, होटल, ढाबा, कबाड़ी दुकान, गैरेज, निर्माण स्थल, ऑटो स्टैंड, फल-सब्जी मंडी, किराना दुकान, हार्डवेयर प्रतिष्ठान सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाल श्रम, भिक्षावृत्ति एवं असुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे बच्चों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की गई। साथ ही दुकानदारों, प्रतिष्ठान संचालकों एवं आम नागरिकों को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण कानूनों तथा बाल सक्षम नीति के प्रावधानों की जानकारी देते हुए पंपलेट एवं पोस्टर वितरित किए गए।

बस्तर मॉडल की पूरे देश को सीख

8241 परिवारों को मिला जमीन पर वैध हक, प्रशासन खुद पहुंचा लोगों तक

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। किसी परिवार के मुखिया की मृत्यु हो जाए और वर्षों बाद भी जमीन के सरकारी कागजों में उनका ही नाम दर्ज रहे। ऐसे में परिवार को हर छोटे-बड़े काम के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। बस्तर में हजारों परिवारों की यही समस्या थी। जिला प्रशासन खुद आगे बढ़कर इस परेशानी को दूर करने का काम कर रही है। बस्तर जिले में पिछले चार वर्षों के लंबित फौती नामांतरण मामलों को निपटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य था कि जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी जमीन के रिकॉर्ड में उनके परिवार के सही वारिसों का नाम दर्ज किया जाए।

इस काम की शुरुआत गांवों से हुई। ग्राम सचिवों ने पिछले चार वर्षों में मृत्यु को प्राप्त लोगों की सूची तैयार की। इसके बाद पटवारियों ने उन लोगों की पहचान की जिनके नाम पर जमीन दर्ज थी और जिनके मामलों में फौती नामांतरण की जरूरत थी। कोटवारों ने गांव स्तर पर जानकारी का सत्यापन किया और तहसीलदारों ने पूरे अभियान की निगरानी की। अभियान के दौरान बस्तर जिले के 611 गांवों से जानकारी जुटाई गई। ग्राम सचिवों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले चार वर्षों में 17,405 लोगों की मृत्यु दर्ज हुई थी। इनमें से 8,651 ऐसे मामले मिले जिनमें फौती नामांतरण की आवश्यकता थी। इसके बाद ग्राम सचिव, पटवारी और कोटवार की संयुक्त टीम ने घर-घर जाकर ,जिन परिवारों के पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था, उनके लिए प्रमाण पत्र बनवाए गए। वारिसों की जानकारी और वंशवृक्ष तैयार किए गए। सभी दस्तावेज पूरे होने के बाद नामांतरण की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस विशेष अभियान के परिणाम बेहद उत्साहजनक रहे। अब तक 8,241 मामलों में फौती नामांतरण पूरा कर दिया गया है। इसका मतलब है कि हजारों परिवारों की जमीन के सरकारी रिकॉर्ड अब सही हो गए हैं। केवल 410 मामले ही शेष हैं, जिन पर कार्य जारी है। यह अभियान बस्तर जिले की सभी प्रमुख तहसीलों में चलाया गया। इनमें तोकापाल, करपावंड, बस्तर, बास्तानार, बकावंड, भानपुरी, नानगुर, जगदलपुर, लोहंडीगुड़ा और दरभा जैसे सुदूर आदिवासी अंचल शामिल हैं। सबसे अधिक प्रगति बकावंड, करपावंड, नानगुर और बास्तानार जैसे क्षेत्रों में देखने को मिली, जबकि जगदलपुर और लोहंडीगुड़ा में लगभग सभी पात्र मामलों का निराकरण कर दिया गया है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। बस्तर में चलाया गया यह विशेष फौती नामांतरण अभियान इसी सोच का परिणाम है। जिन परिवारों के सदस्य अब इस दुनिया में नहीं हैं, उनके वारिसों को उनके अधिकार समय पर मिलें, यह हमारी प्राथमिकता है। हजारों परिवारों के जमीन संबंधी रिकॉर्ड अपडेट होने से उन्हें भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह अभियान सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनसेवा का एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें प्रशासन स्वयं लोगों के घर तक पहुंचकर उनकी समस्या का समाधान कर रहा है।

बस्तर जिले की सभी तहसीलों में इस अभियान को अच्छी सफलता मिली। तोकापाल में 1,454, करपावंड में 504, बस्तर में 1,019, बास्तानार में 337 और बकावंड में 1,142 मामलों का निराकरण किया गया। वहीं भानपुरी में 959, नानगुर में 518, जगदलपुर में 1,057, लोहंडीगुड़ा में 799 और दरभा में 452 परिवारों के जमीन संबंधी रिकॉर्ड अपडेट किए गए। सबसे अच्छी प्रगति जगदलपुर, लोहंडीगुड़ा और बकावंड क्षेत्रों में देखने को मिली। इस अभियान की खास बात यह रही कि लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। प्रशासन खुद गांवों तक पहुंचा, रिकॉर्ड खंगाले, दस्तावेज तैयार कराए और पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया। तहसीलदार और नायब तहसीलदार स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की गई, जिससे कार्य में तेजी आई।

बस्तर कलेक्टर ने कहा कि जिले के कई दूरस्थ और पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जमीन संबंधी कार्यों के लिए लंबे समय तक सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कई परिवारों को केवल इसलिए परेशानी होती थी क्योंकि जमीन के रिकॉर्ड में मृत व्यक्ति का नाम दर्ज था। विशेष अभियान चलाकर प्रशासन ने स्वयं गांवों तक पहुंचकर इस समस्या का समाधान किया।

प्रधानमंत्री मोदी सरकार के 12 वर्ष

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रबुद्धजनों से किया संवाद

लोकमाया न्यूज।

चिरमिरी,। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया,इस दौरान उन्होंने चिरमिरी क्षेत्र में विभिन्न लोगों के निवास पर पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया तथा केंद्र सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। 12 वर्षों में भारत ने विकास के नए आयाम स्थापित किए: विधायक-संवाद कार्यक्रम के दौरान विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास,सुशासन,आधारभूत संरचना, डिजिटल तकनीक,स्वास्थ्य,शिक्षा और सामाजिक

सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं,उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों और योजनाओं ने देश को नई दिशा देने का कार्य किया है तथा भारत आज विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है,उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं बल्कि उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, इसी सोच के साथ केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य किया है।

जनकल्याणकारी योजनाओं ने बदली करोड़ों लोगों की जिंदगी

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को पक्के मकान मिले हैं, आयुष्मान भारत योजना ने गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है, वहीं उज्ज्वला योजना के जरिए महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया गया है,उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ने देश में स्वच्छता के प्रति जनजागरण पैदा किया है, जबकि डिजिटल इंडिया अभियान ने शासन और सेवाओं को आम नागरिकों की पहुंच तक पहुंचाया है,किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया है और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने उपस्थित प्रबुद्धजनों से देश के विकास, सामाजिक समरसता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर सुझाव भी आमंत्रित किए,उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता की सहभागिता है और नागरिकों के विचार एवं सुझाव शासन की नीतियों को अधिक प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,प्रबुद्धजनों ने भी देश के विकास, सामाजिक समरसता,युवाओं के भविष्य,शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अपने विचार साझा किए, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों पर भी चर्चा की गई।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने भारत माता की प्रतिमा एवं भव्य शहीद स्मारक का किया लोकार्पण

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम नेउरगाँव खुर्द में भारत माता की प्रतिमा एवं भव्य शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की एकजुटता, देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना की सराहना करते हुए कहा कि नेउरगाँव खुर्द ने पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरणीय बनाए रखने के लिए ग्रामीणों द्वारा किया गया यह प्रयास समाज में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता का अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक परिसर के निर्माण की शुरुआत उनकी विधायक निधि से प्रदत्त 3.50 लाख रुपए की राशि से हुई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने इसे केवल एक निर्माण कार्य न मानकर अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक बना दिया। इसके लिए गाँव के हर घर से कुछ ना कुछ सहयोग प्रदान किया गया और ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और जनभागीदारी से स्वयं चंदा एकत्र कर लगभग 10 लाख रुपए की लागत से शहीद स्मारक का निर्माण कराया।

योग दिवस पर चेम्बर का विशेष आयोजन, मैग्नेटो मॉल में सजेगा योग लेजेंट्स मंच

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा व्यापारियों और आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए 21 जून 2026, रविवार को दो विशेष और भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सुबह के सत्र में जहाँ चेम्बर हॉल में योग, ध्यान का विशेष शिविर लगेगा, वहीं शाम के सत्र में मैग्नेटो मॉल में भव्य योग लेजेंट्स समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए चेम्बर के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने कहा कि योग हमारे ऋषियों-मुनियों द्वारा दी गई वह अमूल्य धरोहर है, जो हमारे शरीर को निरोग, बुद्धि को प्रखर और मन को शांत रखती है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि अगर हमारा व्यापारी स्वस्थ रहेगा, तभी हमारा व्यापार स्वस्थ रहेगा और तभी हमारा छत्तीसगढ़ और देश समृद्ध बनेगा। इसी सोच के साथ चेम्बर व्यापारियों को स्वस्थ जीवन और स्वस्थ मस्तिष्क के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान करता है।

थौरानी ने बताया कि रविवार सुबह 7.00 बजे से 8.30 बजे तक चेम्बर हॉल (बॉम्बे मार्केट, शहीद स्मारक भवन के पास, जी.ई. रोड, रायपुर) में एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर के मुख्य अतिथि श्री राकेश चतुर्वेदी, भूतपूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन बल प्रमुख एवं अध्यक्ष राज्य जैव विविधता बोर्ड, छत्तीसगढ़ शासन, योग एवं फिटनेस विशेषज्ञ डॉ. सुनील शुक्ला, योग प्रशिक्षिका-प्रीति सलूजा एवं संगीता मंडल शर्मा व्यापारियों को योग, ध्यान कराये जायेगें व इसके फायदों से अवगत कराएंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन , कार्यकम प्रभारी-चेम्बर उपाध्यक्ष-वासुदेव जोतवानी, प्रकाश लालवानी, सोनिया साहू ,मंत्री-प्रशांत गुप्ता, राजेंद्र पारेख, आलोक शर्मा संभाल रहे हैं।

इसके बाद, शाम 5.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक रायपुर के मैग्नेटो मॉल में छत्तीसगढ़ योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में भव्य योग लेजेंट्स कार्यक्रम होगा। इस मुख्य समारोह के बारे में जानकारी देते हुए श्री थौरानी ने कहा कि इस मंच से हम उन 51 महान योग गुरुओं का सम्मान करने जा रहे हैं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज को स्वस्थ रखने का बीड़ा उठाया है। इसके साथ ही, उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित करने के लिए वहां शानदार एरोबैटिक योग का प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम को और खुशनुमा बनाने के लिए सेलिब्रिटी सिंगर धीरज जी की सुरीली प्रस्तुतियां होंगी तथा एक आकर्षक लकी ड्रा भी रखा गया है। शाम के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष- राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा को प्रभारी तथा उपाध्यक्ष दिलीप पइसरानी, मनीष प्रजापति को संयोजक व सह-संयोजक एवं अनिल जोतसिंघानी को सांस्कृतिक प्रभारी अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। चेम्बर पदाधिकारियों ने प्रदेश के समस्त व्यापारी बंधुओं, योग साधकों एवं नागरिकों से इन दोनों कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होने का सादर आग्रह किया है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल कल बलौदाबाजार में करेंगे योग

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। 12वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को बलौदाबाजार स्थित नवीन कृषि उपज मण्डी परिसर में जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 7 बजे से होगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गरिमामय आयोजन हेतु बेहतर तैयारी व प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास संपन्न कराने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने मिनट टू मिनट कार्यक्रम अंतर्गत सभी कार्यक्रम संपन्न कराने के साथ ही मंच व्यस्था, साउंड सिस्टम, जनरेटर, बैरीकैटिंग, गुलदस्ता, योगा मैट, स्कूली बच्चों तथा अन्य प्रतिभागियों के लिए वाहन व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम, क़ानून व्यवस्था आदि के लिये सौंपे गये जिम्मेदारी का बेहतर निर्वहन करने के निर्देश दिये हैं।

भारत में प्राचीन काल से ही योग हमारी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋषि-मुनियों, योगियों और संतों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। भारतीय ज्ञान परंपरा की यह अमूल्य धरोहर आज विश्वभर में स्वास्थ्य और कल्याण का पर्याय बन चुकी है। इसी विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की, जो आज विश्वव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग रखी गई है।

समाज के विकास और जनकल्याण के लिए सभी संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा: राज्यपाल

लोकमाया न्यूज।

राज्यपाल रमेन डेका से आज रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर के सदस्यों ने लोक भवन में सौजन्य मुलाकात एवं चर्चा की। राज्यपाल ने उन्हें समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया। चर्चा के दौरान राज्यपाल ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक संगठित और सेवा भावना से कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और जनकल्याण के लिए सभी संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा।

राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि रायपुर शहर में पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट और टाइल्स का घेरा बना दिया गया है, जिससे उनकी जड़ों तक पर्याप्त पानी और हवा नहीं पहुंच पाती। उन्होंने रोटेरियन से ऐसे घेरों को हटाने और पेड़ों को पुनर्जीवन देने के लिए सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के संवर्धन के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो राज्य को संभावित गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए अभी से जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

जब फाइलें नहीं, बल्कि जनता के द्वार खुद चलकर पहुंचा प्रशासन

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। प्रशासनिक व्यवस्था में किसी भू-स्वामी की मृत्यु के पश्चात उनके वारिसों के नाम जमीन ट्रांसफर करने यानी फौती नामांतरण को एक बेहद जटिल प्रक्रिया माना जाता रहा है। ग्रामीण अंचलों में जानकारी के अभाव, बिचौलियों के जाल और लंबी कागजी औपचारिकता के कारण ये मामले दशकों तक अदालतों में लटके रहते हैं। इससे न केवल पारिवारिक विवाद बढ़ते हैं, बल्कि कृषि क्षेत्र का विकास भी प्रभावित होता है। इस पारंपरिक ढर्रे को पूरी तरह बदलते हुए छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिले बस्तर ने सुशासन का एक ऐसा सक्रिय मॉडल प्रस्तुत किया है, जो राय के अन्य जिलों के लिए एक मार्गदर्शक केस स्टडी बन सकता है।

सक्रिय अभियान: एक क्रांतिकारी प्रशासनिक सोच ?आमतौर पर राजस्व विभाग में यह परंपरा रही है कि जब पीड़ित परिवार आवेदन लेकर दफ्तर पहुंचता है, तब प्रक्रिया शुरू होती है। बस्तर जिला प्रशासन ने इस रिएक्टिव (प्रतिक्रियात्मक) रवैये को बदलकर प्रोएक्टिव (सक्रिय) रुख अपनाया। प्रशासन ने तय किया कि वह खुद चलकर जनता के दरवाजे तक जाएगा। इस विशेष अभियान के तहत

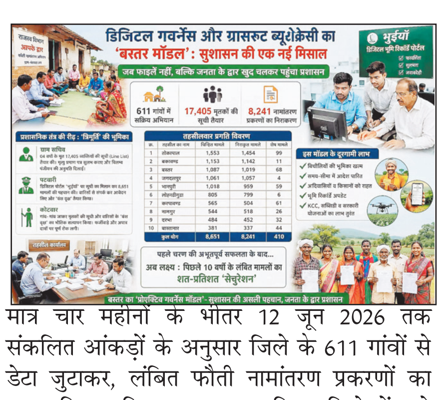

मात्र चार महीनों के भीतर 12 जून 2026 तक संकलित आंकड़ों के अनुसार जिले के 611 गांवों से डेटा जुटाकर, लंबित फौती नामांतरण प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण कर भूमि अभिलेखों को अपडेट कर दिया गया है।

प्रशासनिक तंत्र की रीढ़: जब त्रिमूर्ति ने संभाला मोर्चाइस प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल की सफलता केवल फाइलों या डिजिटल पोर्टल तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसका असली श्रेय जमीनी स्तर पर काम करने वाली प्रशासनिक कड़ियों (ग्रासरूट ब्यूरोक्रेसी) के उस अनूठे तालमेल को जाता है, जिसने सेवा की पूरी परिभाषा ही बदल दी। ?इस पूरे अभियान को एक सुव्यवस्थित पिरामिड की तरह संचालित किया गया। इसके शीर्ष पर तहसीलदार और नायब तहसीलदार मार्गदर्शक की भूमिका में थे, जो हर हफ्ते कड़ाई से मॉनिटरिंग कर रहे थे और विधिक प्रक्रियाओं को समय-सीमा के भीतर अमली जामा पहनाकर अंतिम आदेश पारित कर रहे थे। इस शीर्ष नेतृत्व के ठीक नीचे, मैदानी अमले की त्रिमूर्ति ने इस अभियान को संभाला।

डेटा का प्राथमिक स्त्रोत ग्राम सचिव ने अपने जन्म एवं मृत्यु पंजीयक के दायित्व का निर्वहन करते हुए पिछले 04 वर्षों में मृत हुए 17,405 व्यक्तियों की एक अचूक सूची तैयार की। जिन मामलों में मृत्यु प्रमाण पत्र लंबित थे, वहां उन्होंने परिवारों को ये प्रमाणपत्र सुलभ कराए और जहां देरी हुई थी, वहां तहसीलदार से विलम्ब पंजीयन की विशेष अनुमति दिलाकर नए प्रमाण पत्र जारी करवाए। ? तकनीकी और विधिक सेतु के रूप में सचिव से सूची प्राप्त होते ही पटवारी ने छत्तीसगढ़ के डिजिटल लैंड रिकॉर्ड पोर्टल भुइयां पर उसका मिलान किया। इससे तत्काल 8,651 ऐसे मृत व्यक्तियों की पहचान हुई जिनके नाम पर जमीन दर्ज थी। इसके बाद, पटवारी ने स्वयं आगे बढ़कर वारिसों से संपर्क कर आवेदन लिए तथा उनके विधिक उत्तराधिकार को तय करने वाला वंश वृक्ष तैयार किया।

पारदर्शिता की जमीनी कसावट के लिए ग्रामीण भारत की सबसे पारंपरिक कड़ी कोटवार ने सोशल ऑडिट (सामाजिक सत्यापन) का जिम्मा संभाला। उन्होंने गांव-गांव जाकर मृतकों की सूची और पटवारी द्वारा तैयार किए गए वारिसों के वंश वृक्ष का भौतिक सत्यापन किया। उनके इस जमीनी ज्ञान के कारण किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े या अपात्र दावों की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो गई।बस्तर की तहसीलों में सुशासन का सेचुरेशनजिले की सभी 10 तहसीलों के कुल 639 गांवों में से 611 गांवों को इस मुहिम से जोड़कर पूरी पारदर्शिता के साथ काम किया गया। मैदानी अमले द्वारा चिन्हित किए गए कुल 8,651 आवश्यक मामलों में से रिकॉर्ड 8,241 मामलों में ऑनलाइन नामांतरण पंजी (एमडी सीरिज) के तहत विधिक प्रक्रिया इश्तेहार प्रकाशन व दावा-आपत्ति निराकरण पूर्ण कर आदेश पारित किए जा चुके हैं। अब पूरे जिले में महज 410 प्रकरण ही लंबित बचे हैं। ?बस्तर जिले के इस विशेष अभियान के तहत सभी 10 तहसीलों में बेहतरीन समन्वय और तत्परता देखने को मिली है। आंकड़ों के लिहाज से तोकापाल तहसील इस पूरी मुहिम में सबसे आगे रही, जहां जिले में सर्वाधिक 1,553 मामले चिन्हित किए गए और रिकॉर्ड 1,454 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया।